RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 29 सोमवार 20 से 26 अक्टूबर, 2025 पृष्ठ: 10 मूल्य : ₹3/=

आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

'INS विक्रांत के नाम से पाकिस्तान की नींद उड़ गई थी'

पीएम मोदी ने गोवा में जवानों संग मनाई दिवाली, सेनाओं को सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिवाली गोवा तट पर भारतीय नौसेना के जवानों के साथ मनाने पहुंचे। सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा को जारी रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत का दौरा किया। इस दौरान पीएम मोदी ने जवानों को भी संबोधित किया। बता दें कि 2014 से प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद से पीएम मोदी लगातार सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाते रहे हैं।

आईएनएस विक्रांत से नौ सैनिकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन अद्भुत है। ये दृश्य अविस्मरणीय है। आज मेरे पास एक तरफ समंदर है, तो दूसरी तरफ मां भारती के वीर जवानों की ताकत है। आज एक तरफ मेरे पास अनंत क्षितिज...अनंत आकाश है और दूसरी तरफ अनंत शक्तियों का प्रतीक यह विशालकाय आईएनएस विक्रांत है। समुद्र के जल पर सूर्य की किरणों की चमक, वीर सैनिकों द्वारा जलाए गए दिवाली के दीयों के समान है। पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दीपावली के पर्व में हर किसी को अपने परिवार के बीच दीवाली मनाने का मन करता है। मुझे भी मेरे परिवार जनों के बीच दिवाली मनाने की आदत हो गई है और इसलिए आप जो मेरे परिवार जन हैं, उनके बीच मैं दिवाली मनाने चला जाता हूं। मैं भी ये दिवाली मेरे परिवार जनों के साथ मना रहा हूं...₹ उन्होंने आगे कहा, ₹मुझे याद है, जब आईएनएस विक्रांत को देश को सौंपा जा रहा था तो मैंने कहा था कि विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है, विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है बल्कि ये 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत पर दिवाली मनाते हुए कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि इस बार मैं दिवाली का यह पावन त्योहार नौसेना के आप सभी वीर जवानों के बीच मना रहा हूं। विक्रांत पर बिताई कल की रात, इस अनुभव को शब्दों में कहना कठिन है। मैं देख रहा था कि आप उमंग, उत्साह से भरे हुए थे... आपने स्वरचित गीत गाए। आपने अपने गीतों में जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर का वर्णन किया, शायद कोई और कभी इस अनुभूति को प्रकट नहीं कर पाएगा जो युद्ध के मैदान में खड़ा जवान कर पाएगा।

पीएम मोदी ने कहा, कुछ महीने पहले ही हमने देखा कि कैसे विक्रांत नाम ने ही पूरे पाकिस्तान में खौफ की लहर दौड़ा दी थी। इसकी ताकत ऐसी है... एक ऐसा नाम जो युद्ध शुरू होने से पहले ही दुश्मन के हौसले पस्त कर देता है। यही है आईएनएस विक्रांत की ताकत... इस अवसर पर, मैं विशेष रूप से हमारे सशस्त्र बलों को सलाम करना चाहता हूं। भारतीय नौसेना द्वारा जो भय पैदा किया गया है, भारतीय वायुसेना द्वारा दिखाए गए अद्भुत कौशल ने, भारतीय सेना की जांबाजी ने, तीनों सेनाओं के जबरदस्त समन्वय ने, ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को इतनी जल्दी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था और इसलिए आज मैं फिर एक बार आईएनएस विक्रांत की इस पवित्र साधना स्थली से, पराक्रमी स्थली से, तीनों सेना के जांबाज जवानों को सलाम करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, पिछले एक दशक में हमारा रक्षा उत्पादन तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है। पिछले साल ही यह लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। 2014 से भारत ने नौसेना को 40 से अधिक स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां प्रदान की हैं। अब हम औसतन हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी नौसेना में शामिल कर रहे हैं। ब्रह्मोस और आकाश जैसी हमारी मिसाइलों ने भी ऑपरेशन सिंदूर में अपनी क्षमता साबित की है। ब्रह्मोस नाम अपने आप में इतना प्रसिद्ध है कि इसे सुनते ही कई लोग उत्सुक हो जाते हैं और सोचते हैं कि क्या ब्रह्मोस आ रहा है।

अयोध्या में जीवंत हुआ त्रेता युग, सीएम योगी ने किया प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक

दीपोत्सव 2025 बना भक्ति, संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

अयोध्या। दीपों की अनगिनत पंक्तियों से सजी अयोध्या रविवार की शाम ऐसी दमक उठी, मानो स्वयं त्रेता युग धरती पर उतर आया हो। रामकथा पार्क में प्रभु श्रीराम और माता सीता के अवतरण और राज्याभिषेक का भव्य दृश्य लाखों श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया। जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभु श्रीराम के रथ को खींचना शुरू किया पूरा पार्क जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। सीएम योगी के नेतृत्व में नवें दीपोत्सव में संतों ने राम दरबार पर पुष्प वर्षा की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने संतों का वस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके पहले पुष्पक विमान उतरते ही श्रद्धालु जय राम का उदघोष करते नजर आए।

राज्याभिषेक से झलका त्रेता युग

पुष्पवर्षा और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जब मुख्यमंत्री ने गुरु वशिष्ठ के साथ, भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न व हनुमान का पूजन और वंदन किया तो साक्षात त्रेता युग का आभास हुआ। स्वर्ण सिंहासन, रथ, अश्व और सुसज्जित राजसभा ने त्रेता कालीन रामराज्य को सजीव कर दिया।

सीएम योगी ने सबसे पहले राम, लक्ष्मण, मां सीता और हनुमान जी को माला पहनाई। आगे आगे राम, उनके पीछे माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान रथ पर सवार हुए। मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं रथ को खींचकर आगे बढ़ाया, संतों ने भी उनका सहयोग किया। इसके बाद श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान सीएम योगी के साथ साथ आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम की आरती की, फिर प्रतीकात्मक राज्याभिषेक कर उनका आशीर्वाद लिया।

इसके बाद कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जयवीर सिंह और राकेश सचान ने मंच पर पहुंचकर राम दरबार का पूजन और अर्चन किया। इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ संत, महंत, जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

दीपों से जब पूरा अयोध्या आलोकित हुई, तो लगा जैसे देवता स्वयं अयोध्या को सजाने उतर आए हों।

रामकथा पार्क से लेकर सरयू तट तक फैला यह दृश्य वर्षों तक स्मृतियों में अंकित रहेगा। दीपोत्सव 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अयोध्या केवल एक नगर नहीं, बल्कि जीवंत आस्था की ज्योति है, जो सदा मानवता के पथ को प्रकाशित करती रहेगी।

भरत मिलाप का दृश्य बना भाव विलक्षण

कार्यक्रम का सबसे भावनात्मक पल तब आया जब भरत मिलाप का मंचन हुआ। चरणों में गिरते ही श्रीराम ने भरत को गले लगा लिया। क्षण भर को सभी श्रद्धालु स्तब्ध रह गए और फिर जय श्रीराम के जयकारों से पूरा सरयू तट भक्ति से सराबोर हो गया। श्रद्धालु भाववि'ल होकर नयनों से आंसुओं की धार बहाते दिखे। ऐसा लगा मानो रामायण का दृश्य प्रत्यक्ष हो उठा हो।

विश्व के सामने अयोध्या मॉडल

दीपोत्सव 2025 ने न केवल रिकॉर्ड बनाया बल्कि अयोध्या मॉडल के रूप में एक नया मानक भी स्थापित किया। यहां सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन के बीच आस्था, संस्कृति और आधुनिकता का सुंदर समन्वय दिखाई दिया।

दीपों से झिलमिलाई रामनगरी

रामकथा पार्क से लेकर राम की पैड़ी, धर्मपथ, लता चौक और हनुमानगढ़ी तक दीपों की पंक्तियां ऐसे झिलमिला उठीं कि पूरा नगर दिव्य आलोक में नहा गया। हर गली, हर घाट, हर भवन जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज रहा था। श्रद्धालु दीप जलाते, भक्ति गीत गाते और इस दृश्य को अपने कैमरों में कैद करते दिखे।

मुस्लिम वोटर्स पर गिरिराज सिंह फिर हमलावर, बोले- नमक हराम के वोट नहीं चाहिए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर अल्पसंख्यक समुदाय पर तीखी टिप्पणी करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें नमक हराम (गद्दारों) के वोट नहीं चाहिए। भाजपा सांसद ने यह विवादित टिप्पणी शनिवार को बिहार के अरवल जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने एक पुरानी बातचीत का हवाला देते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, 'एक बार मैंने एक मौलवी से पूछा कि क्या उनके पास आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड है, तो उन्होंने हां में जवाब दिया। जब मैंने पूछा कि क्या ये कार्ड हिंदू-मुस्लिम के आधार पर बांटे जाते हैं, तो उन्होंने ना में जवाब दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मुझे वोट दिया है, तो उन्होंने हां कहा, लेकिन जब मैंने उनसे खुदा की कसम खाने को कहा, तो उन्होंने मना कर दिया कि उन्होंने वोट नहीं दिया। मुसलमान सभी केंद्रीय योजनाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन हमें वोट नहीं देते... ऐसे लोगों को नमक हराम कहा जाता है। मैंने मौलवी साहब से कहा कि मुझे नमक हराम के वोट नहीं चाहिए।' भाजपा नेता ने बताया कि उन्होंने मुस्लिम धर्मगुरु से पूछा था कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें गाली दी है, जिसका जवाब उन्हें 'नकारात्मक' मिला। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैंने उनसे यह भी पूछा कि क्या मैंने उनका अपमान किया है, जिस पर उन्होंने 'नहीं' कहा। फिर मैंने उनसे पूछा कि मेरा क्या कसूर था कि उन्होंने मुझे वोट नहीं दिया। जो दया स्वीकार नहीं करता, उसे 'नमक हराम' कहा जाता है।'

सिंह ने यह भी कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार के समग्र विकास के लिए कई बुनियादी ढांचे पर काम किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'बिहार अब बदल गया है... एनडीए सरकार समाज के हर वर्ग के लिए काम करती है, लेकिन मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देते।'

त्यौहारों को लेकर अलर्ट मोड पर पुलिस, अधिकारियों ने संभाली सुरक्षा-व्यवस्था

- एडिशनल सीपी से लेकर सभी अधिकारी मैदान में उतरे, चलाया सघन चेकिंग अभियान
- डॉग स्क्वायड के साथ ही ड्रोन से भी की गई निगरानी, बस अड्डा, मेट्रो स्टेशन पर बढाई सतर्कता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। त्यौहारों को लेकर कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। अधिकारियों ने सुरक्षा-व्यवस्था की कमान संभालते हुए प्रमुख स्थानों के अलावा भीड़भाड वाले बाजारों में अधिकारियों ने पैदल मार्च भी निकाला। स्वयं एडिशनल सीपी भी पुलिस बल के साथ मैदान में दिखाई दिये। इसके अलावा सभी डीसीपी व एसीपी ने भी अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा की कमान संभाली। सघन चेकिंग के दौरान डॉग स्क्वायड से भी मॉल, बस अडडा व मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गए। दीपावली पर्व के चलते अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया।

दीपावली के मद्देनजर शहर के बाजारों में देर रात तक खरीदारी हो रही है। बाजारों में खरीदारी करने वाले लोगों की भीड़ लगी हुई है। दीपावली पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस अलर्ट पर है। अधिकारी शाम होते ही अधीनस्थों के साथ सडक पर उतर जाते हैं। इसी क्रम में एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने आरडीसी और कविनगर समेत अन्य स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए।

डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेंद्रनाथ तिवारी ने फोर्स के साथ लोनी, अंकुर विहार समेत अन्य स्थानों पर पैदल गश्त किया। एसीपी वेवसिटी प्रियाश्री पाल ने फोर्स के साथ क्रासिंग रिपब्लिक क्षेत्र के बाजारों और भीडभाड वाले स्थानों पर पैदल गश्त किया। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने फोर्स के साथ बाजारों में गश्त कर स्थिति का जायजा लिया। उधर, एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने डॉग स्क्वाड टीम के साथ सिहानी गेट क्षेत्र के बाजारों, मॉल, सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। डॉग स्क्वाड टीम ने संदिग्ध वाहनों की भी चेकिंग की। उधर, एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव, एसीपी मोदीनगर, एसीपी लोनी, एसीपी अंकुर विहार ने फोर्स के साथ बाजारों में पैदल गश्त किया और व्यापारियों के साथ वार्ता की। एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने फोर्स के साथ प्रमुख बाजारों, अंबेडकर रोड, घंटाघर, रमते राम रोड, नवयुग मार्केट और इंदिरापुरम क्षेत्र के बाजारों में गश्त किया। इस दौरान सडक पर आड़े तिरछे खड़े वाहनों के चालान किए गए। यातायात पुलिस ने लोगों से यातायात व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

भीड़भाड़ वाले बाजार, मेट्रो स्टेशन, बस स्टेंड व मॉल में हुई चेकिंग

दीपावली पर्व पर सुरक्षा-व्यवस्था की कमान संभालते हुए अधिकारियों ने भीड़भाड़ वाले बाजारों, मेट्रो स्टेशन, बस स्टेंड व मॉल में चेकिंग कराई गई। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से भी अराजक तत्वों व अपराधियों पर नजर रखने की सलाह दी। सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर अधिकारी कोई कोर-कसर छोड़ने के मूड में नही हैं।

घर जाने वाले लोगों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान

दीपावली पर्व पर अपने-अपने घरों को जाने वाले लोगों सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अमूमन अपने गंतव्य के लिए सवारी का इंतजार करने वाले लोगों को शातिर अपना शिकार बना डालते हैं और उनके साथ ठगी व लूट जैसी संगीन घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। ऐसे में पुलिस ने ऐसे स्थानों पर भी पुलिस टीम को वर्दी के अलावा सादा वस्त्रों में भी तैनात रहने के निर्देश दिये हैं।

यातायात व्यवस्था का भी रखा जा रहा ख्याल

आम दिनों की अपेक्षा त्यौहारों पर लोग अपने घरों को ज्यादा जाते हैं। ऐसे में लोगों को किसी भी हाईवे पर जाम की समस्या का सामना ना करना पड़े, इसको लेकर भी यातायात पुलिस की तरफ से पूरी तैयारी कर ली गई है। जाम लगने के सभी प्रमुख प्वाईंस पर यातायात के जवानों को तैनात किया गया है, जो लगातार अपने कार्य को बखूबी अंजाम दे रहे हैं। दीपावली के बाद भाई दूज को लेकर भी यातायात व्यवस्था पूरी तरह से ठीक रहे, इसकी भी तैयारी कर ली गई है।

तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निदेर्शानुसार जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

लोनी तहसील: दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 77 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सदर तहसील: एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 04 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर तहसील: एसडीएम अजीत सिंह की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 59 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त ने आईटीएमएस के कार्यों का लिया जायजा, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में होगी योजना की शुरूआत

210 इंच की दो बड़ी स्क्रीन के माध्यम से होगी शहर की यातायात की मॉनिटरिंग: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है जिसकी मॉनिटरिंग लगातार चल रही है नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा स्थल निरीक्षण करते हुए चल रहे कार्यों का जायजा लिया गया कैमरा इंस्टॉलेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है।

निरीक्षण के समय मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी की उपस्थित रहे जिनके द्वारा रोड रेस्टोरेशन के कार्य को भी देखा गया साथ ही 82 रोड साइड यूनिट उपकरण का भी निरीक्षण किया गया, शेष बचे हुए कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा कार्यदाई संस्था एफकौन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर राजीव भारद्वाज को निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त द्वारा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की तैयार हो चुकी बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया गया जिसमें उपकरणों को इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। 210 इंच की बड़ी स्क्रीन ग्राउंड फ्लोर तथा फर्स्ट फ्लोर पर लगाने की तैयारी चल रही है जिसके माध्यम से नवंबर माह में शहर की यातायात व्यवस्था पर निगरानी रखी जाएगी। टीम को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए गए तथा 20 से अधिक लगे कंप्यूटर के माध्यम से कैमरे को जोड़ा जाएगा जिसको तेजी से करने के निर्देश दिए गए।

२३ अक्टूबर तक सुबह 8 से रात 10 बजे तक भारी वाहनों पर अस्थाई प्रतिबंध

गाजियाबाद। आगामी त्यौहारों धनतेरस, दीपावली एवं भैया दूज के अवसर पर शहर में बाजारों में अत्यधिक भीड़-भाड़ एवं यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुचारू रूप से संचालित किये जाने के लिए 18 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक, प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारी व्यावसायिक वाहनों के लिए यातायात डायवर्ट किया गया है।

एडीसीपी यातायात सच्चिदानंद ने बताया कि डायवर्ट किये गए यातायात के अनुसार भारी व्यवसायिक वाहनों का लालकुआं से शहर की ओर आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। साजन मोड़ औद्योगिक क्षेत्र से लाल कुआं की ओर आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

दीवाली से पहले महापौर ने शहर को दी 77 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

बाउंड्री वाल, नाले, सड़कों, सामुदायिक भवनों एवं सेंट्रल वर्ज पर दिया ध्यान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दीवाली से पहले महापौर सुनीता दयाल ने शहर के विकास कार्यो के लिए एक बड़ी धनराशि दी है। जिससे शहर में प्रदूषण नियंत्रण हो, सड़के व नालो से निकासी सुचारू हो, जनता सामुदायिक भवनों का उपयोग कर सके और नगर निगम की भूमियों को सुरक्षित रखा जा सके और यह सब शहर व जनता हित के लिए किया जा रहा है। यह कार्य 15 वें वित्त के अंतर्गत होंगे जिसकी निगरानी नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मालिक के नेतृत्व में किया जाना है। यह कार्य निविदा के लिए भेजे जा चुके हैं जिससे दीवाली उपरांत कार्य शुरू किए जा सकें।

इन कार्यो के लिए स्थानीय पार्षद एवं जनता की मांग पर किया गया है और बरसात अधिक होने से शहर की अधिकांश सड़को पर गड्ढे भी हो गए थे जिसके लिए शहर में गड्ढा मुक्त अभियान भी चल रहा है व अधिक सड़के खराब है उनको इन कार्यो में सम्मिलित किया गया है। शहर में कई स्कूल भी है जिनमे हजारो बच्चे पढ़ने आते जाते है उन सड़को का भी विशेष ध्यान रख कर सम्मलित किया गया है जिससे बच्चों को कोई परेशानी न हो सके।

महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि शहर के विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है शहर को बड़ी बड़ी योजनाओ से भी जोड़ने का कार्य किया जा रहा है और सी एम ग्रिड से शहर को एक अनोखी पहचान मिलने जा रही है और मुख्यमंत्री की ने निर्देशन में गाजियाबाद भी लगातार विकास व सुंदर शहर की तरफ रफ्तार पकड़ रहा है। अब वो दिन दूर नही जब गाजियाबाद के नाम भारत मे टॉप 10 में लिया जाएगा। सभी पार्षद व अधिकारी दिन रात शहर के लिए कार्य कर रहे हैं और इसी प्रकार जनता भी अपना सहयोग करे तो हम विकास कार्यो की रफ्तार कम नही होने देंगे। दीवाली का पर्व है शहर को नगर निगम द्वारा पहली बार लाइटो से चका चोन्द किया गया है। जिससे शहर का हर कोना रोशन रहे एवं दीवाली के अवसर पर महापौर ने सभी शहरवासियों को शुभकामनाएं भी दी।

बहु-मॅजिला बिल्डिंगों से सम्बंधित शिकायतों के निराकरण हेतु टास्क फोर्स गठित

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, जिलाधिकारी गाजियाबाद ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया कि आवासीय कालोनियों के प्रबंध तंत्र से जुडी विभिन्न प्रकार की शिकायतों एवं बहु-मॅजिला बिल्डिंग (अपार्टमेंट्स) के उचित रख–रखाव, जन सुविधाओं का अभाव एवं लिफ्टस आदि से सम्बन्धित समस्याओं से सम्बन्धित निरन्तर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इस प्रकार की समस्याओं से एक तरफ वहाँ के निवासियों को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड वहीं दूसरी ओर भविष्य में अप्रिय घटना/आपदा होने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अत: आवासीय कालोनियों के प्रबंध तंत्र से जुडी विभिन्न शिकायतों एवं बहुमॅजिला बिल्डिंग (अपार्टमेंट्स) के उचित रख–रखाव, जन सुविधाओं का अभाव एवं लिफ्टस आदि से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु नगर मजिस्ट्रेट गाजियाबाद–अध्यक्ष, सम्बन्धित क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त—सदस्य, डिप्टी रजिस्ट्रार, चिट्स, फण्ड एवं सोसाईटीज गा०बाद—सदस्य व सम्बन्धित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी—सदस्य को अधिकारियों की टास्क फोर्स का गठन किया जाता है। उपरोक्तानुसार गठित टास्कफोर्स भविष्य प्राप्त होने वाली शिकायतों / समस्याओं का आपसी समन्वय स्थापित कर नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करेगी।

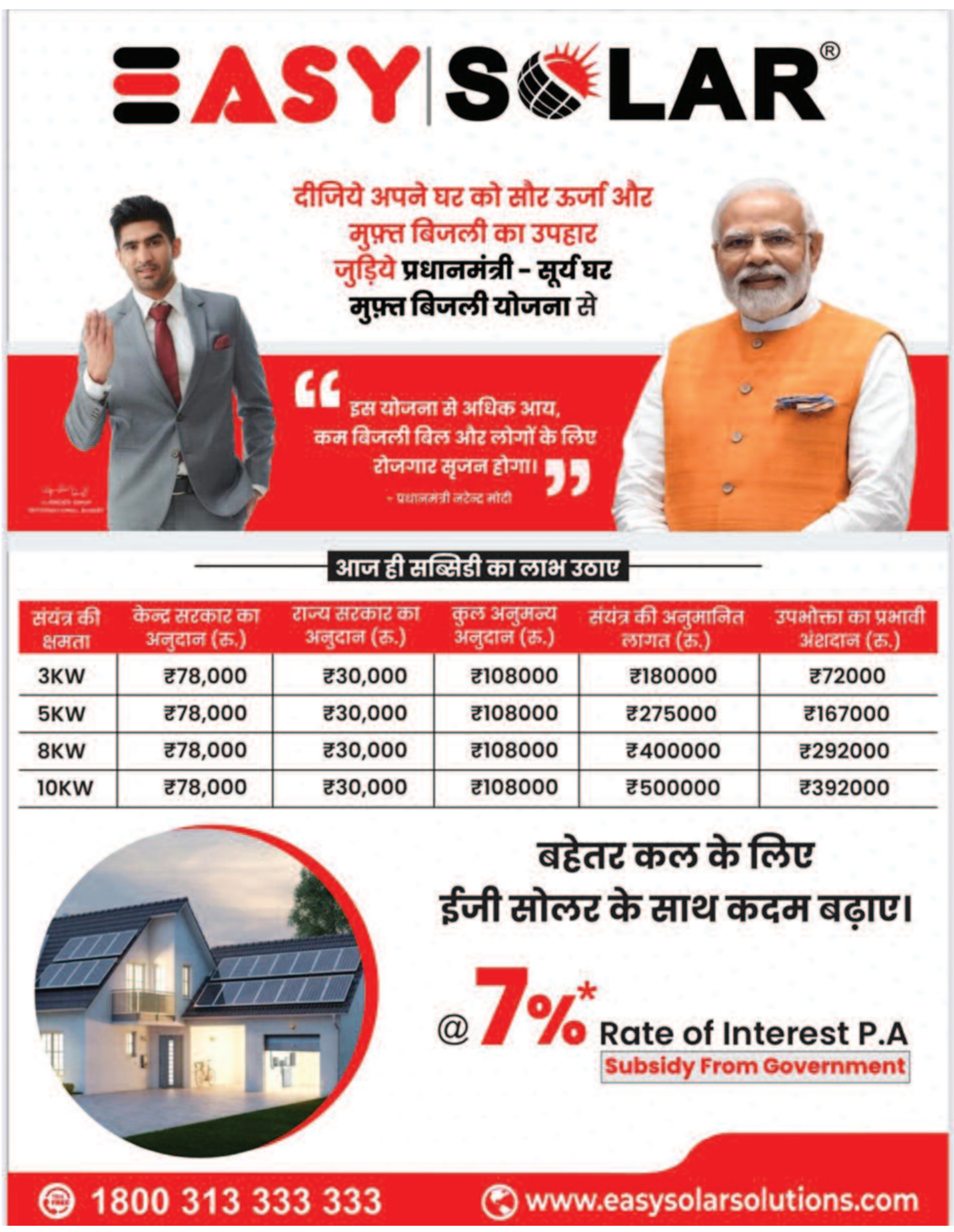

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

राहुल जी! चुनावी मोड में कब आएंगे?

बिहार में चुनावी विसात बिछ गई है। सभी पार्टियां अपनी चाल चल रही, लेकिन एनडीए और महागठबंधन में आपसी खींचतान पहले फेज के नामांकन के बाद भी बरकरार है। दोनों तरफ से कहा तो जा रहा – आल इज वेल। लेकिन पार्टियों के नेताओं के चेहरे ही सब कुछ दर्शा रहे। महागठबंधन की स्थिति तो और भी बाद से बदतर है। अगर देखा जाए तो इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार राहुल गांधी है। वह हर बार विधानसभा चुनाव में संघर्ष करते,, माहौल तैयार करते और जब फसल काटने की बारी आती है तो मैदान छोड़कर गायब हो जाते हैं। बिहार चुनाव में भी यही देखने को मिला। वोट चोरी के मामले में वोट अधिकार रैली में जो माहौल महागठबंधन का बना था उसे अपने हाथों से ही उन्होंने पलीता लगा दिया। दूसरी तरफ कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि बीजेपी की स्लीपर सेल चुनाव के दौरान कांग्रेस में एक्टिव हो जाती है जिसका नतीजा होता है हर बार कांग्रेस मात खा जाती है। गौरतलब है कि बिहार में वोटर लिस्ट की अंतिम सूची जारी की गई उसमें भी बहुत सारी कर्मियों को दशार्या गया। चुनाव आयोग ने बिहार का दौरा कर वहां पर माहौल का जायजा लिया और दिल्ली लौटते ही चुनाव की घोषणा कर दी। इस दौरान राहुल गांधी लैटिन अमेरिका चले गए वह भी दो–तीन दिन के लिए नहीं बल्कि 19 दिन के लिए जबकि बिहार में चुनावी शोर थमने का नाम नहीं ले रहा था। प्रत्याशियों के नाम की सूची तैयार करना, आपस में बैठकर बात करना और समय से पहले प्रत्याशियों की घोषणा करना महागठबंधन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए था, लेकिन महागठबंधन में शामिल किसी पार्टी ने भी पहले फेज के नामांकन से पहले अपने प्रत्याशियों का नाम घोषित नहीं किया जबकि टिकट वितरण शुरू कर दिया था।। हालांकि एक दिन पहले कांग्रेस ने दोनों फेज के 48 प्रत्याशियों का नाम घोषित किया। शुरूआत में कई तरह के आपसी विवाद चल रहा था। अंतिम समय तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की गई और प्रथम चरण का नामांकन का समय समाप्त हो गया। नतीजा यह हुआ कि 8 सीटों पर गठबंधन आपस में ही लड़ रहा और दूसरे तथा तीसरे स्थान के लिए संघर्ष कर रहा। राहुल गांधी जी, जो आपके पीछे पड़े हैं कम से कम उनसे ही कुछ तो गुण हासिल करें क्योंकि वे पूरे 5 वर्ष तक हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं तभी सफलता प्राप्त करते चाहे वह सफलता साम, दाम, दंड जैसे भी प्राप्त हो। इस बार की चुनाव में अगर महागठबंधन पराजित होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आपको लेनी चाहिए क्योंकि हम लोगों के नजर में आप ही इसका पूर्ण जिम्मेदार है। आपकी पार्टी का टिकट वितरण भी ऐसा लगता है जिसमें बीजेपी के स्लीपर सेल का ही हाथ है। आपके मौजूद रहते जैसा भी होता वह कार्यकताओं को तो संतुष्ट करता। तेजस्वी यादव ने इस बार टिकट पूरी तरह से ठोक पीट कर दिया है अगर गठबंधन उचित समय पर उचित निर्णय लेता तो नतीजा कुछ और ही होता।

ब्रह्मलीन

ब्रह्मलीन: वैदिक संस्कृति के पुरोधा, ऋषि दयानन्द के अनन्य भक्त, जीवन भर गांवों–गांवों में यज्ञ और योग की अलख जगाने वाले देशभक्त, आर्य रत्न आचार्य प. गुरुदत्त आर्य जी (94 वर्ष) रविवार, 19 अक्टूबर त्रयोदशी को प्रात: 4.18 मिनट पर ब्रह्मलीन हो गये है। श्रद्धेय आचार्य जी का अंतिम सँस्कार आज रविवार को दोपहर 2 बजे नई मंडी स्थित मोक्ष धाम पर किया जायेगा। आचार्य जी की अंतिम यात्रा संस्कार चेतना केंद्र, संतोष विहार, सरकुलर रोड से 1 बजे आरम्भ होगी। आचार्य ने समाज और राष्ट्र को *'मनभर चर्चा की अपेक्षा कण भर आचरण श्रेष्ठ है का संदेश दिया था। सिसौली क्षेत्र के गांव मुंडभर निवासी आचार्य श्री गुरुदत्त आर्य जी शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक,पद्मश्री, पद्मभूषण, शिक्षा ऋषि पूज्य वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज के सगे भतीजे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें वर्ष 1994 में राज्य शिक्षक पुरुस्कार से अलंकृत किया था...वेदों की ज्योत्ति जलती रहे, ओम का झंडा ऊंचा रहे...भारत माता की जय

ब्रह्मलीन: वैदिक संस्कृति के पुरोधा, ऋषि दयानन्द के अनन्य भक्त, जीवन भर गांवों–गांवों में यज्ञ और योग की अलख जगाने वाले देशभक्त, आर्य रत्न आचार्य प. गुरुदत्त आर्य जी (94 वर्ष) रविवार, 19 अक्टूबर त्रयोदशी को प्रात: 4.18 मिनट पर ब्रह्मलीन हो गये है। श्रद्धेय आचार्य जी का अंतिम सँस्कार आज रविवार को दोपहर 2 बजे नई मंडी स्थित मोक्ष धाम पर किया जायेगा। आचार्य जी की अंतिम यात्रा संस्कार चेतना केंद्र, संतोष विहार, सरकुलर रोड से 1 बजे आरम्भ होगी। आचार्य ने समाज और राष्ट्र को *'मनभर चर्चा की अपेक्षा कण भर आचरण श्रेष्ठ है का संदेश दिया था। सिसौली क्षेत्र के गांव मुंडभर निवासी आचार्य श्री गुरुदत्त आर्य जी शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक,पद्मश्री, पद्मभूषण, शिक्षा ऋषि पूज्य वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज के सगे भतीजे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें वर्ष 1994 में राज्य शिक्षक पुरुस्कार से अलंकृत किया था...वेदों की ज्योत्ति जलती रहे, ओम का झंडा ऊंचा रहे...भारत माता की जय

श्रद्धा से पर्यटन तक: हिमालय की तबाही की असली कहानी:

संजय राणा

हिमालय जिसे भारत की देवभूमि और जल स्त्रोतों की जननी कहा जाता है,आज विनाश की ओर बढ़ रहा है। इसकी बरबादी के लिए केवल वहां के निवासी नहीं, बल्कि मैदानी क्षेत्रों के लोग और हमारी उपभोक्तावादी सोच भी समान रूप से जिम्मेदार है। केंद्र और राज्य सरकारें चार धाम यात्रा को 'आर्थिक विकास' और 'पर्यटन प्रोत्साहन' का प्रतीक बताकर चौड़ी सड़कों, पार्किंग स्थलों और होटलों का जाल बिछा रही हैं। ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट के अंतर्गत 889 किलोमीटर सड़कें काट दी गईं, जिनसे लाखों पेड़ उजड़ गए और उनके मलबे ने नदियों को मटमैला कर दिया। परिणामस्वरूप, भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएँ तीन गुना बढ़ चुकी हैं।

गौरतलब है कि पहले चार धाम यात्रा श्रद्धा, संयम और प्रकृति के प्रति आदर का प्रतीक थी। लेकिन अब यह मनोरंजन हेतु यात्रा बन कर रह गई है। श्रद्धालुओं की जगह 'सेल्फी पर्यटक' और 'लक्जरी ट्रैवलर' ने ले ली है। हर कोई 'ग्लेशियर व्यू' या 'रिवर फेसिंग' कमरों की चाह में नदियों और गाड़-गदेरों के किनारे निर्माण करवा रहा है। पर्यटन की इस अंधी दौड़ में पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस बढ़ते पर्यटन का एक छिपा हुआ और खतरनाक पहलू ब्लैक कार्बन (इ्" उं1ङ्गल्ल) है । यह डीजल वाहनों, जनरेटरों, लकड़ी और कोयले के धुएँ से निकलने वाला सूक्ष्म कण है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, चार धाम मार्गों पर वाहनों और होटल गतिविधियों से निकलने वाला ब्लैक कार्बन ग्लेशियरों की सतह पर जमकर सूर्य की ऊष्मा को अवशोषित करता है, जिससे बर्फ तेजी से पिघलती है। पिछले एक दशक में उत्तराखंड और हिमाचल में ऐसी 300 से अधिक ग्लेशियर झीलें (Glacial Lakes) बनी हैं, जिनके फटने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसे यदि यू कहें कि उनके फटने का खतरा हमेशा बना रहता है तो कुछ गलत नहीं होगा। ये झीलें नीचे के गांवों और कस्बों के लिए विनाशकारी बाढ़ का कारण बन सकती हैं।

हिमालय की नाजुकता और मानवीय हस्तक्षेप

हिमालय भौगोलिक रूप से अत्यंत संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्र है। यहां की मिट्टी भुरभुरी, ढाल तीव्र और पारिस्थितिकी अत्यंत नाजुक है। वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय क्षेत्र की वहन क्षमता (उं१८ल्लॅ उंस्रं३८) सीमित है, यानी वहां उतने ही निर्माण और मानव दबाव को सहन किया जा सकता है जितना पर्यावरण अनुमति देता है। लेकिन पिछले दो दशकों में जिस तरह से सड़कें, होटल, होमस्टे और वाहन हिमालय में बढ़े हैं, उसने उसकी सहनशक्ति को खत्म कर दिया है।जहां तक मैदानी क्षेत्रों की पर्यटन संस्कृति के प्रभाव का सवाल है,

हिमालयी राज्यों की पर्यावरणीय समस्याओं का बड़ा कारण वहां के स्थानीय लोग नहीं, बल्कि मैदानी क्षेत्रों के पर्यटक हैं। हरिद्वार, देहरादून, ऋषिकेश से लेकर बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री तक, हर वर्ष लाखों वाहन पहुँच रहे हैं। चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की जगह अब 'सेल्फी पर्यटकों' की भीड़ अधिक दिखाई देती है। होटल और होमस्टे मालिक पर्यटकों की 'ग्लेशियर फेसिंग', 'लेक फेसिंग' और 'रिवर व्यू' जैसी मांगों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक ढलानों पर भी निर्माण कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, नदियों और गाड़-गदेरों के किनारे सीमेंट और प्लास्टिक ने अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है।

अब जरा विकास के नाम पर विनाश की लीला की ओर नजर दौड़ाएं तो पाते हैं कि केंद्र और राज्य सरकारें 'आर्थिक विकास' और 'पर्यटन प्रोत्साहन' के नाम पर चौड़ी सड़कों का जाल बिछा रही हैं। ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट (चार धाम सड़क परियोजना) के अंतर्गत 889 किलोमीटर लंबी सड़कें काटी जा रही हैं। इस परियोजना में लाखों पेड़ काटे गए और हजारों टन मिट्टी व चट्टानें नदियों में जा मिलीं, जिससे जल धाराएँ मटमैली और अस्थिर हो गईं हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ मार्गों पर सड़क चौड़ीकरण के कारण भूस्खलन की घटनाएँ 2010 से 2025 के बीच तीन गुना बढ़ चुकी हैं। इस सबका असर स्थानीय जीवन, जलस्त्रोतों और जैव विविधता पर पड़ा है जिसे झुठलाया नहीं जा सकता।

श्रद्धा बनाम मनोरंजन पर यदि दृष्टिपात करें तो यह कटु सत्य है कि चार धाम यात्रा कभी आस्था और तप का प्रतीक हुआ करती थी। लोग सीमित साधनों के साथ पैदल यात्रा करते थे, नदियों में स्नान को पवित्र मानते थे और पर्यावरण का आदर करते थे। आज की यात्रा मनोरंजन यात्रा बन गई है। और तो और शराब, डिस्पोजेबल प्लास्टिक, स्पीकर, डीजे और पर्यटकों की भीड़ से इस पूरे हिमालयी क्षेत्र का वातावरण अशांत हो गया है। नदियों और झरनों में कचरा डालने की घटनाएँ बढ़ी हैं। स्थानीय समाज और संस्कृति पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

होम स्टे और अंधाधुंध निर्माण की बाढ़ की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम यह हुआ कि पर्यटन के बहाने हर गांव में होम स्टे खुल रहे हैं। 2010 में उत्तराखंड में जहाँ 500 से भी कम पंजीकृत होम स्टे थे, वहीं 2024 तक यह संख्या 10,000 से अधिक हो गई है। अधिकांश निर्माण नदियों और गदेरों के किनारे बिना पर्यावरणीय अनुमति के किए गए हैं। इन निमार्णों में हिमालय संस्कृति के बजाय मैदानी संस्कृति को अपनाया जा है अर्थात ईंट-रोड़ी आदि का इस्तेमाल ज्यादा किया जा रहा है। इससे भू-स्खलन, बाढ़ और जल स्त्रोतों के सूखने की घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं।

हिमालय अब केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संकट के मुहाने पर खड़ा है। यदि हमने इस उपभोगवादी पर्यटन मॉडल को नहीं रोका, तो यह श्रद्धा की भूमि विनाश की भूमि बन जाएगी। हिमालय को बचाने के लिए सख्त नीति बेहद जरुरी है जिसके तहत यात्रियों की संख्या सीमित की जाए, वाहनों और निर्माण पर नियंत्रण लगाया जाए,

यात्रा को 'सस्टेनेबल टूरिज्म' के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए। हिमालय की रक्षा, हमारी जल, जलवायु और जीवन सुरक्षा की रक्षा है। जब तक हम इसे श्रद्धा की भूमि मानकर नहीं चलेंगे, तब तक उसका विनाश हमारी नियति बनता जाएगा।

(लेखक हिमालयी अंचल के अध्येता और पर्यावरण मामलों के जानकार हैं।)

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान राम का दिव्य जीवन)

भाग 38

गतांक से आगे ....

राजा के राष्ट्र में, प्रत्येक विद्यालय में आचार्य के समीप विराजमान हो करके धनुर्विद्या का प्रसार होना चाहिए। धनुर्विद्या अपने में अनूठी रहती है जहाँ प्रातःकाल ब्रह्मचारी जन याग का वर्णन करते हैं। याग का चलन हमारे यहाँ सृष्टि के प्रारम्भ से लेकर के बड़ा अनूठा क्रियाकलाप माना है, बड़ा क्रियात्मक मानने से मानव के जीवन का कल्याण हो जाता है हम यह उच्चारण कर रहे हैं कि हमारे यहाँ विद्यालयों में तीन प्रकार के याग होने चाहिए।

ब्रह्म का चिन्तन, प्रत्येक ब्रह्मचारी प्रातःकालीन अपने आसन से पृथक हो करके आचार्य उनको ब्रह्मयाग का अभ्यास कराएं और उसके पश्चात् क्रियात्मक जीवन बनाने से क्रियात्मकता में लाने के लिए उन्हें देव पूजा जैसे विश्वामित्र मुनि महाराज के आश्रम में प्रातःकालीन देव पूजा, देव याग का चलन होता था। इसी प्रकार राजा के विद्यालयों में धनुर्विद्या अस्त्रों-शस्त्रों का निर्माण हो। जिन यन्त्रों में ब्रह्मचारी जन विद्यमान हो करके लोक-लोकान्तरों में जा सके और नाना प्रकार के रूपों को अपने में धारण करने वाले हों। जब ऋषि ने यह निर्णय कराया तो वह सान्त्वना को प्राप्त हो गए। उन्होंने राम और लक्ष्मण को पारायण कराया, पारायण करा करके अपने में ध्यान करते रहते थे।

तो महाराजा विश्वामित्र ब्रह्मचारियों की शिक्षा देते रहते। उनसे कहते कि तुम धनुर्विद्या को जैसे अपने में धारण कर रहे हो,ऐसे मानव को आत्मा का भी कल्याण करना चाहिए। आत्मा का कल्याण कैसे होता है? उन्होंने कहा जैसे विज्ञान के वाङ्मय में अस्त्र-शस्त्र अपनी सीमा में कटिबद्ध हो करके उसे अपने लक्ष्य तक वैज्ञानिक पहुंचा देता है। अणु

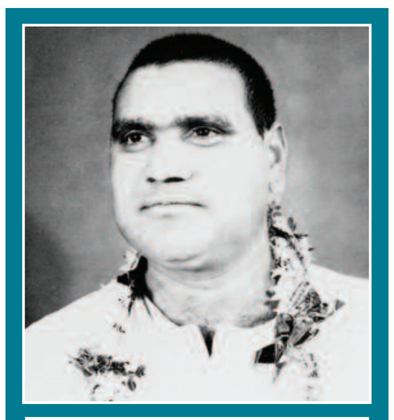

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

परमाणु सब अनुशासन में रहते हैं। इसी प्रकार मानव को भी अपने जीवन का एक लक्ष्य बना करके इन्द्रियों को संयम में लाकर के हमें उसे क्रियात्मकता में लाना है, जब वह क्रियात्मकता आएगी,उसी समय मानव का कल्याण होता है। मानव का कल्याण तभी होता है जब मन का लक्ष्य संकल्प बनाया जाता है। मन उसका प्रतिनिधित्व करने वाला है और प्राण का सहयोग लेकर के उसको क्रियात्मकता में लाता है। आत्मा का सहयोग हो करके उसमें आध्यात्मिक और भौतिक विज्ञान दोनों प्रकार का विज्ञान उसमें परोक्ष होता है यह आन्तरिक जगत और बाह्य जगत को दोनों को जब तक अनुशासन में नहीं लाता क्रियात्मकता में नहीं लाता है तब तक वह अपने में महान नहीं कहलाता है, अपने में महानता का दर्शन नहीं कर सकता है। अपने मानवत्व का भी दर्शन नहीं कर सकता है। मानव को विचारना है कि हम अपने जीवन को ऊंचा बनाने के लिए राजा के राष्ट्र में प्रत्येक विद्यालय में आध्यात्मिकवाद और भौतिक विज्ञान क्रियाकलाप में रहना चाहिए। मानव का आन्तरिक विचार बाह्य जगत को सजातीय बना देता है। बाह्यजगत जो इसका निर्माण किया गया है वह मानव के अन्तरीय जगत को ऊंचा बना देता है जैसे एक स्थली पर तपस्वी रहता है और उसके चले जाने के पश्चात भी मानव उस तपस्वी के आसन को क्यों जाते हैं? क्योंकि मानव उस तपस्वी के विचारों की तरंगें उस स्थली पर तरंगित हो रही हैं और तरंगित होने से वही तरंगें आध्यात्मिकवाद में अपने हृदय को पवित्र बना देती हैं। इसीलिए मानव को विचारना चाहिए कि हम अपने में कितना ऊंचा बनाना चाहते हैं। याग कदापि भी अशुद्ध नहीं हुआ करता है। धनुर्याग में भगवान राम बड़े अहिंसा में रहे हैं। सदैव उसका जीवन अहिंसा में परिवर्तित रहा है। अहिंसा में रमण करता रहा है और उनका उद्गीत था कि मानव को अहिंसा परमोधर्म होना चाहिए। हिंसक न हेते हुए मानव वह लक्ष्य का विचार लेता है। अहिंसा का पालन वह कर सकता है,जो मानव अपने हृदय में दूरिता के विचारों को न आने दें। वह मानव अहिंसा का पालन करता है। क्रमशः.........

बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा की मिलेगी गारंटी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025, कई मायने में राष्ट्रीय और सूबाई राजनीति को प्रभावित करेगा, क्योंकि 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तरप्रदेश में भी विधान सभा चुनाव होने हैं। यही नहीं, पूर्वी भारत की सुरक्षा को भी यह चुनाव सुनिश्चित करेगा। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की रीति-नीति, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का अंतर्कलह और मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज द्वारा उठाए हुए मुद्दे गहरा असर डालेंगे।

वहीं, एआईएमआईएम और अन्य छुटभैये दलों की कोशिशें मतदाताओं के मनोमिजाज पर क्या रंग जमाएंगी और अपने साइलेंट मतदान ट्रेंड से वो क्या गुल खिलाएंगे, इसका पता तो 14 नवंबर को ही पता लग पायेगा, क्योंकि राजनीतिक रूप से यह प्रदेश बहुत ही जागरूक प्रदेश है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे आम बिहारियों के दिल मे अब सामाजिक न्याय से भी ज्यादा हिंदुत्व की लहरें उफान मार रही हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि इस्लामिक देशों और चीन-अमेरिका के सहयोग से बनने वाले 'ग्रेटर बंगलादेश' से शांतिप्रिय बिहार भविष्य में गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मूकश्मीर की तरह ही युद्ध भूमि भी बन सकता है।

बिहार के लोगों को यह भी पता है कि उनके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जिन अल्पसंख्यकों की राजनीति कर रहे हैं, उससे बंगलादेश का षड्यंत्र सफल हो या न हो, लेकिन पूर्वी भारत निकट भविष्य में रक्तरंजित भी हो सकता है। इसलिए विकसित, समृद्ध और ज्ञान की संस्कृति की रक्षा के लिए बिहार वासी कुछ ठोस व कड़ा निर्णय भी ले सकते हैं।

उन्हें पता है कि इंडिया गठबंधन के राजद, कांग्रेस, भाकपा माले, वीआईपी, वामपंथी दलों की विचारधारा भी पाकिस्तान-बंगलादेश की सरकारों से काफी मिलती जुलती है। इसलिए यदि इन्हें नहीं रोका गया तो संभव है कि भविष्य में ये लोग बिहार को भी उसमें शामिल करवा दें।

ऐसा इसलिए कि टीवी स्क्रीन और सोशल मीडिया पर इंडिया गठबंधन के नेताओं के जो हिन्दू विरोधी बयान और कार्यप्रणाली सामने आती रहती है, इससे बिहार के मतदाता अपने राज्य के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। बीते वर्षों में उन्होंने महसूस किया है कि राज्य में जंगलराज (2000-2005) का पर्याय बन चुका राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का कुनबा और उनके सरदार तेजस्वी यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री जनता दल यूनाइटेड के नेता व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ब्रेक के बाद सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इसबार ऐसा रणनीतिक मतदान किया जाए कि ऐसी किसी सियासी बात की संभावना भी नहीं बचे।

बिहार से जुड़े सूत्र बताते हैं कि सूबे में भाजपा के अलावा जनसुराज का प्रदर्शन अच्छा हो सकता है, क्योंकि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की कारगुजारियों से प्रबुद्ध बिहारी बहुत ही नाराज चल रहे हैं और ग्राम स्तर पर वह नए बिहार का निर्माण करने के लिए एक मुहिम चला रहे हैं। यह गैर धार्मिक और गैर जातीय मुहिम है, जिसका मकसद बिहार के विकास और किसी भी अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से बिहार की सुरक्षा की बात उनके एजेंडे में है। यही वजह है कि राष्ट्रवादी भाजपा और उसके सहयोगियों के अलावा जनसुराज के प्रत्याशियों की ओर वे करवट ले रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि आपसी दांवपेंच से परेशान एनडीए के नेताओं और बिखरे या कई सीटों पर आपस में ही नूराकुश्ती करने वाले इंडिया गठबंधन के नेताओं के अलावा जो नया विकल्प मौजूद है, उसे ही इस बात मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी मिलने लायक जनसमर्थन दे दिया जाए, इससे राष्ट्रवादी सरकार के बनने और जनहित के मुद्दे पर उसे सक्रिय करने की गारंटी मिल जाएगी। इसलिए सच कहूं तो राजनीतिक अहंकार और बुद्धिजीवियों की बिखरी टंकार के बीच बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी लड़ाई दिलचस्प होने जा रही है।

जैसे-जैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा, बुद्धिजीवियों की निर्दलीय और सर्वदलीय राजनीतिक मुहिम तेज होती जाएगी। सीट बंटवारे में जो कलह दिखाई दी, उसके पीछे भी इन्हीं बुद्धिजीवियों के हाथ की खबरें हैं।

खासकर कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बुद्धिजीवी तो इस बात पर अड़े हुए हैं कि किसी भी कीमत पर अपने दूरगामी राजनीतिक हितों से समझौता नहीं करना है। इससे स्पष्ट है कि यूपी में जो गलती 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव किये थे, 2025 में वही गलती दुहराकर तेजस्वी यादव भी सियासी रूप से अप्रासंगिक हो जाएंगे। स्पष्ट है कि बिहार की नई राजनीतिक करवट से विकास और सुरक्षा दोनों की गारंटी मिलेगी।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

भारत का योग अब वैश्विक स्तर पर पहुंच गया है: डॉ. विनोद कश्यप

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। योग के माध्यम से विश्व को स्वास्थ्य में स्वावलंबी बनाने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ(NIH) एवं जीएलजी योग स्कूल - वियतनाम के बीच एम.ओ. यू. साइन किया गया!

वियतनाम में दो दिवसीय 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ग्लोबल पीस थ्रू हॉलिस्टिक लेंस ' विषय पर जीएलजी योग स्कूल - वियतनाम द्वारा एफ टी पी यूनिवर्सिटी - दानांग एवं हुए यूनिवर्सिटी में आयोजन किया गया!

कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात योग बोर्ड के अध्यक्ष योगसेवक शीशपाल राजपूत जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ(ठक्क्ष) के चेयरमैन डॉ विनोद कश्यप एवं एस के एम योग व जी एल जी योग स्कूल के उपाध्यक्ष डॉ.शिवम मिश्रा के साथ अन्य वरिष्ठजन उपस्थित रहे!

इस अवसर पर मुंबई के कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा विदेश के अन्य एक्सपर्ट्स ने अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए!

कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य योग के साथ फिजिकल एजुकेशन एवं परंपरागत खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना था!

वर्तमान परिस्थिति में वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे विभिन्न प्रकार के रोगों में योग एक सफल चिकित्सा पद्धति के रूप में अपनाया जा रहा है!

कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ वियतनाम की प्रसिद्ध एफटीपी यूनिवर्सिटी मे किया गया ! इस अवसर एन आई एच चेयरमैन डॉ विनोद कश्यप ने 'रोल ऑफ योगा इन हॉलिस्टिक हेल्थ' इस विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया! दूसरे दिन हुए यूनिवर्सिटी में 'युवाओं के लिए योग में रोजगार के अवसर', इस विषय को लेकर अपने विचार रखें!

गुजरात योग बोर्ड के अध्यक्ष योगसेवक शीशपाल जी ने भारतीय योग की महत्वता के विषय में बताया!

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन योग का अभ्यास हमें शारीरिक व मानसिक रूप से भी स्वस्थ बनाता है! उन्होंने डॉ. शिवम मिश्रा के प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस के माध्यम से जीएलजी योग स्कूल की पहचान वैश्विक स्तर पर पहुंच जाएगी जिससे विश्व को योग की महत्वता एवं सकारात्मक के लाभ मिलने आरंभ हो जाएंगे! डॉ. विनोद कश्यप ने बताया कि इस कांफ्रेंस को आयोजित करने में जी एल जी योग स्कूल के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शिवम मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिन्होंने वियतनाम में इसकी शुरूआत की जहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर के योग एवं हेल्थ एक्सपर्ट्स को आमंत्रित किया है! जी एल जी योग स्कूल की संस्थापक सुश्री हो थी थान मिन्ह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया !

उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वियतनाम में भारत के सहयोग से आयोजित योग शिक्षा द्वारा सभी लोग शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे! उन्होंने बताया कि वियतनाम और भारत का यह संबंध सदियों पुराना है जिसमें भगवान बुद्ध के विचार और प्रेरणा वियतनाम एवं भारत की आध्यात्मिक विचारधारा को एक बनाती है! इस अवसर पर सभी अतिथियों एवं योग एक्सपर्ट को सुश्री मिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया! डॉ.शिवम मिश्रा द्वारा सभी अतिथियों के लिए वियतनाम के दर्शनीय स्थलों की यात्रा की व्यवस्था की गई, जिनमें भगवान बुद्ध के सुंदर मंदिरों तथा पैगोडा के माध्यम से बौद्ध धर्म एवं भगवान बुद्ध के विचार वहां देखने को मिलते हैं!

इस अवसर पर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ (NIH) एवं जीएलजी योग स्कूल - वियतनाम के बीच एक एमओयू साइन किया गया! जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर ठक्क्ष एवं जीएलजी योग स्कूल द्वारा योग एवं स्वास्थ्य संबंधित रिसर्च, एजुकेशन एवं ट्रेनिंग के माध्यम से वियतनाम तथा भारत के छात्रों को स्वास्थ्य संबंधित विषय सीखने का बड़ा अवसर प्रदान करना है!

NIH चेयरमैन डॉ. विनोद कश्यप ने जीएलजी योग स्कूल की संस्थापक श्रीमती मिन्ह एवं उपाध्यक्ष डॉ. शिवम मिश्रा का आभार व्यक्त करते हुए कहा 'कि यह प्रयास विश्व में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा, क्योंकि जिस प्रकार से जीएलजी योग स्कूल की ब्रांचेस वियतनाम के अलावा न्यूजीलैंड, फ्रांस, कनाडा, अमेरिका आदि देशों में है! इस एम ओ यू के माध्यम से विदेशों में भी योग एवं हॉलिस्टिक हेल्थ का प्रचार बढ़ेगा! क्योंकि दोनों संस्थाओं का उद्देश्य स्वास्थ्य के साथ - साथ शिक्षा, रिसर्च एवं ट्रेनिंग के माध्यम से विश्व को स्वास्थ्य में स्वावलंबी बनाना है!

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु आज जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी एवं सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस दौरान कुल 89 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 06 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। जिलाधिकारी मेधा रूपम के निदेर्शानुसार मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी ने आज तहसील जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनता की शिकायतें सुनी। इस दौरान 42 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 02 शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया गया। इस अवसर उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ।

यहां 46 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। इसी क्रम में सदर तहसील में उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें 01 शिकायत दर्ज की गईं, जिसका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

आयुर्वेदिक कॉलेज में भगवान धन्वंतरि की जयंती पर पूजा अर्चना का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। नगर के छपरौली रोड स्थित भारतीय ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रांगण में भगवान धन्वंतरि की जयंती पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

संस्थान के संस्थापक, प्राचार्य व मुख्य अधिशाशी अधिकारी डॉ सत्यप्रकाश वशिष्ठे ने भगवान धन्वंतरि जी के चरणों में पुष्प अर्पित करते हुऐ समस्त जनमानस के लिए अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की। उन्होंने बताया कि आज भगवान धन्वंतरि दिवस है, जो आयुर्वेद के जनक और स्वास्थ्य के देवता के रूप में पूजित है। आज धनतेरस का त्योहार भी है, जो भगवान धन्वंतरि की जयंती के साथ मेल खाता है। इस अवसर पर शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना करने से विशेष लाभ होता है। डॉ महेश पंवार ने सभा में उपस्थिति सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रामकुमार शर्मा, अंकुर मान, अंकित डांगी, हर्षवर्धन शर्मा, रक्षाराम, रामबीर आदि उपस्थित रहें।

बोले सोमेन्द्र, बिहार चुनाव में होगी एनडीए की जीत

महागठबंधन सीटें तक तय नहीं कर पाया, हार तय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। खैला गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत निश्चित है और वहां नितीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि महागठबंधन अभी तक सीटों का बंटवारा तक तय नहीं कर पाया है, यह गठबंधन नहीं बल्कि ठगबंधन है। बिहार की जनता विकास के साथ है और एनडीए के पक्ष में माहौल साफ दिख रहा है। राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता के लिए अशोभनीय शब्द कहने वालों को बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने दावा किया कि बिहार में महागठबंधन की हार तय है और एनडीए की सरकार बनने जा रही है। इस मौके पर मनुपाल बंसल, बबलू, सत्यवृत आर्य, श्याम सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

10 दिवसीय ‘यू०पी० ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025’ का हुआ समापन

गौतमबुद्धनगर। नोएडा हाट सेक्टर-33ए में आयोजित 10 दिवसीय ‘यू०पी० ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025’ का आज भव्य समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता असिस्टेंट कमिश्नर उत्तर प्रदेश राजेन्द्र कुमार ने की। इस अवसर पर यूपिकॉन कंसल्टेंट पंकज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। असिस्टेंट कमिश्नर उत्तर प्रदेश राजेन्द्र कुमार ने मेले में लगाए गए विभिन्न वन जनपद-वन उत्पाद, हस्तशिल्प, हथकरघा, माटी कला, लकड़ी शिल्प, रेडीमेड वस्त्र, घरेलू उत्पादों एवं स्वयं सहायता समूहों के स्टालों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिल्पियों, उद्यमियों एवं महिला समूहों से संवाद करते हुए उनके उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार तथा प्रस्तुति की सराहना की। इस अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर द्वारा सभी प्रतिभागी स्टालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिल्पियों एवं उद्यमियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ‘स्वदेशी मेला प्रदेश के कारीगरों की सृजनशीलता, परिश्रम और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में सेतु का कार्य करते हैं।’

अनुज कौशिक बने प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण प्रतिषेध समिति के सदस्य

जिलाधिकारी ने घोषित की आठ सदस्य जिला स्तरीय समिति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत) सामाजिक संस्था खेकड़ा युवक मंच के अध्यक्ष अनुज कौशिक को जिला स्तरीय प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण प्रतिषेध समिति का सदस्य बनाया गया है। इस पर कस्बावासियों में हर्ष का माहौल है।

अनुज कौशिक, खेकड़ा युवक मंच संस्था के माध्यम से करीब 40 वर्षो से कस्बे में समाजसेवा के कार्य में सक्रिय है। शनिवार को जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने जिला स्तरीय प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण प्रतिषेध समिति का गठन किया। इसके आठ सदस्यों में अनुज कौशिक को भी स्थान मिला। उनके अलावा बडौत से स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अमिता चिकारा, जिला अस्पताल से बाल रोग विशेषज्ञ डा. राज सिंह, रेडियोलोजिस्ट डा. हरीश कुमार, माननीय न्यायालय से संयुक्त निदेशक अभियोजन शिव प्रसाद, जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी, समर्थ उज्जवल फाउंडेशन बडौत से प्रधानाचार्या डा. दिव्या उज्जवल, सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र धामा शामिल किए गए है। डिप्टी सीएमओ और पीसीपीएनडीटी एक्ट को देखने वाले डा. मसूद अनवर की टीम समिति से कोर्डिनेट करेंगी।

वैज्ञानिक परीक्षण से समृद्ध होंगे बागपत के किसान, मिट्टी को समझकर ही फसल बोने का आ’ान

खेत की मिट्टी बोलेगी अब विकास की भाषा, 29 रुपए में मुख्य पोषक तत्व व 102 रुपए में सूक्ष्म तत्वों की जांच उपलब्ध

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। मिट्टी को समझना आधुनिक खेती की ओर पहला कदम है। इसी संदेश के साथ बागपत में कृषि विभाग ने किसानों से अपनी भूमि का वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी परीक्षण कराने की अपील की है। विभाग का कहना है कि खेती की असली शुरूआत मिट्टी को समझने से होती है। जब किसान अपनी मिट्टी की गुणवत्ता और पोषक तत्वों को पहचान लेता है तभी वह सही फसल, सही खाद और सही मात्रा में उर्वरक चुन सकता है। इससे न केवल उत्पादन बढ़ता है बल्कि मिट्टी की सेहत भी लंबे समय तक बनी रहती है। कृषि विभाग के विशेषज्ञों ने किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की प्रक्रिया भी समझाई। किसान अपने खेत के 8 से 10 स्थानों से लगभग 15 सेंटीमीटर गहराई तक मिट्टी निकालें और इसे साफ कपड़े, बाल्टी या तसले में इकट्ठा करें। इसके बाद सभी मिट्टी को एक साथ हाथ से मिलाकर एक समान ढेर बनाएं। अब ढेर को चार भागों में बांटें, आमने-सामने के दो भाग हटा दें और बाकी दो भागों को फिर मिलाएं। यही प्रक्रिया तब तक दोहराएं जब तक लगभग 400झ500 ग्राम मिट्टी बच जाए। इस नमूने को साफ कपड़े की थैली में भरकर उस पर किसान का नाम, पिता का नाम, गांव और खेत का गाटा नंबर लिखें और उसे कृषि विभाग की प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजें। कृषि विभाग के उपनिदेशक विभाति चतुवेर्दी ने बताया कि मुख्य पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश की जांच के लिए मात्र 29 रुपए शुल्क निर्धारित है, जबकि सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे जिंक, आयरन, बोरॉन आदि की जांच के लिए 102 रुपए शुल्क देना होगा। ये जांचें किसानों को यह समझने में मदद करेंगी कि उनकी मिट्टी में कौन-कौन से पोषक तत्वों की कमी या अधिकता है। इसके बाद वे अपनी फसलों में संतुलित मात्रा में खाद का उपयोग कर सकेंगे, जिससे लागत घटेगी और उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि मिट्टी परीक्षण किसान की समृद्धि की कुंजी है। सही उर्वरक प्रबंधन से उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है। यह किसानों की आय बढ़ाने का सबसे सरल और टिकाऊ उपाय है। उन्होंने कहा कि जो किसान अपनी मिट्टी की जांच नियमित रूप से कराते हैं, वे वैज्ञानिक खेती की दिशा में आगे बढ़ते हैं और आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर होते हैं।

मिट्टी परीक्षण से किसानों को फसलवार लाभ भी मिलता है। कौन सी फसल खेत के लिए उपयुक्त है, कितनी मात्रा में कौन सा खाद डालना चाहिए और किन सूक्ष्म तत्वों की जरूरत है। इससे किसान फसल विविधीकरण कर सकते हैं और अपनी भूमि का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं। इस प्रक्रिया से न केवल खेती की लागत घटती है बल्कि मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, मिट्टी परीक्षण से किसान पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। संतुलित खाद और उर्वरक के उपयोग से भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण और मिट्टी की क्षारीयता में कमी आती है। यह प्रक्रिया खेती को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाती है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे मिट्टी परीक्षण को खेती की नियमित प्रक्रिया बनाएं ताकि भविष्य में बागपत जिला मिट्टी स्वास्थ्य एवं आधुनिक कृषि के क्षेत्र में एक आदर्श जनपद के रूप में उभर सके। विभाग का मानना है कि मिट्टी परीक्षण सिर्फ एक जांच नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उपजाऊ भूमि बचाने का संकल्प है।

शुभ दीपावली
दीपावली का त्योहार हर दिल में खुशियों का दीप जलाए, हर घर में समृद्धि का उजाला फैलाए।
कवि दीपक दीप
गाज़ियाबाद
8595656658
kavi Deepak'Deep'
kavi Deepak'Deep'

शुभ
लाभ
आपको और आपके पूरे परिवार को
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं
मां लक्ष्मी व भगवान गणेश की कृपा आप पर सदैव बनी रहे
उदय चन्द्र झा

दीपज्योतिः समृद्ध्यर्थं दुःखनाशाय मेऽस्तु ते।
शुभं भवतु सर्वेषां दीपोत्सवदिनं शुभम्॥
प्रकाश-पर्व दीपावली के पावन अवसर पर आपको एवं आपके परिवार को अनन्त मंगल-कामनाएँ।
हम हृदय से कामना करते हैं कि महालक्ष्मीजी की कृपा तथा मर्यादापुरुषोत्तम भगवान् श्रीराम के पावन आशीर्वाद से आपका जीवन सुख, शान्ति, सद्भाव और समृद्धि के उज्ज्वल प्रकाश से आलोकित हो।
यह पावन पर्व आपके सभी मनोरथों की सिद्धि का सेतु बने और जीवन में नवीन उमंग, उत्साह तथा मंगलमय प्रकाश का संचार करे।
मङ्गलाकाङ्क्षी:
गुंजन अग्रवाल (पत्रकार, लेखक, इतिहासवेत्ता)
रेखा अग्रवाल (यूट्यूब-क्रियेटर)
सिद्धि अग्रवाल
शारदा अग्रवाल
दीपोत्सव
कार्तिक कृष्ण अमावस्या, विक्रम संवत् २०८२
[इस वर्ष २० अक्टूबर २०२५ ईसवी]

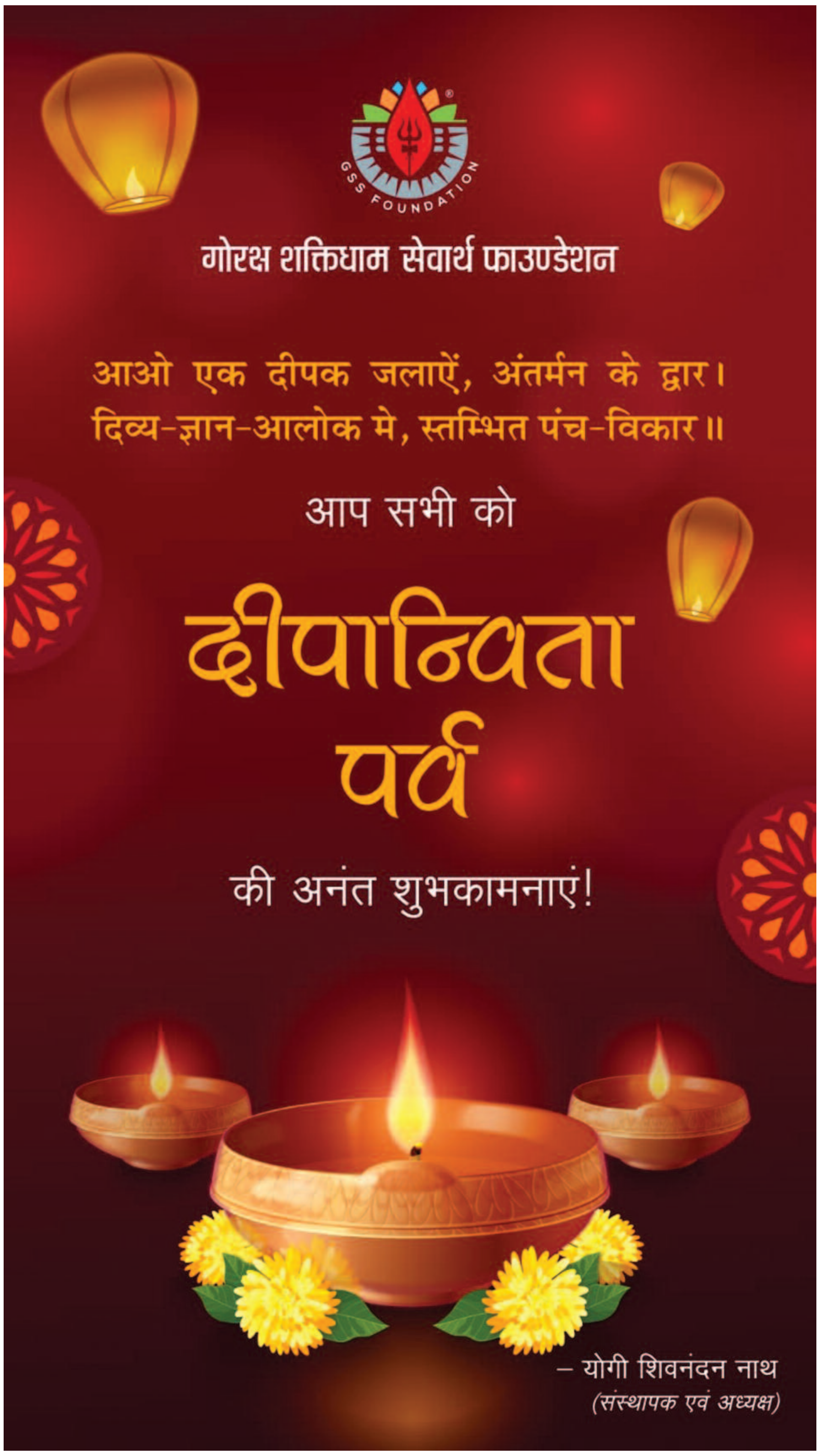
गोरक्ष शक्तिधाम सेवार्थ फाउण्डेशन
GSS FOUNDATION
आओ एक दीपक जलाऐं, अंतर्मन के द्वार।
दिव्य-ज्ञान-आलोक मे, स्तम्भित पंच-विकार॥
आप सभी को
दीपान्विता पर्व
की अनंत शुभकामनाएं!
– योगी शिवनंदन नाथ
(संस्थापक एवं अध्यक्ष)

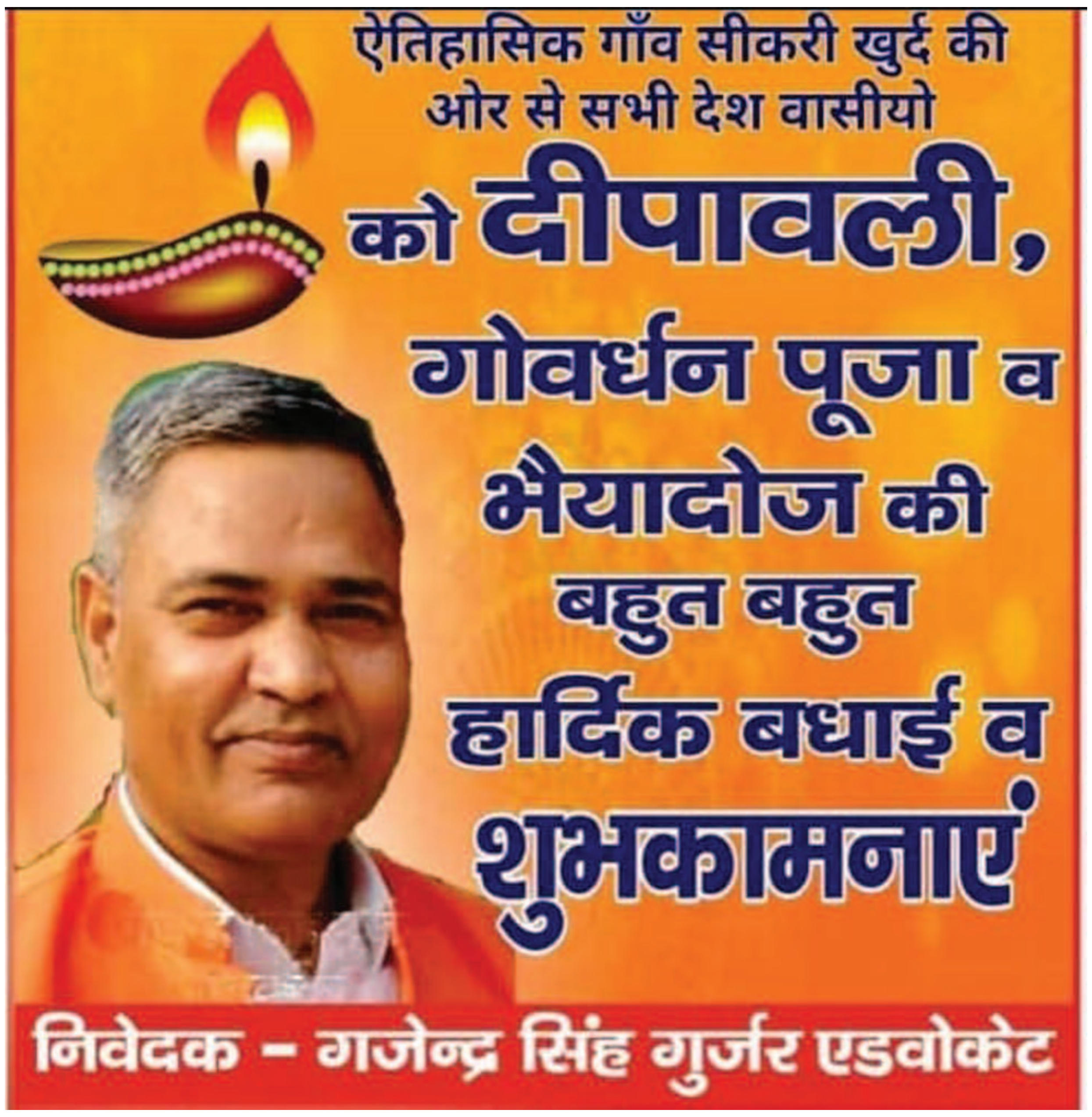
ऐतिहासिक गाँव सीकरी खुर्द की ओर से सभी देश वासीयो
को दीपावली, गोवर्धन पूजा व भैयादोज की
बहुत बहुत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
निवेदक - गजेन्द्र सिंह गुर्जर एडवोकेट

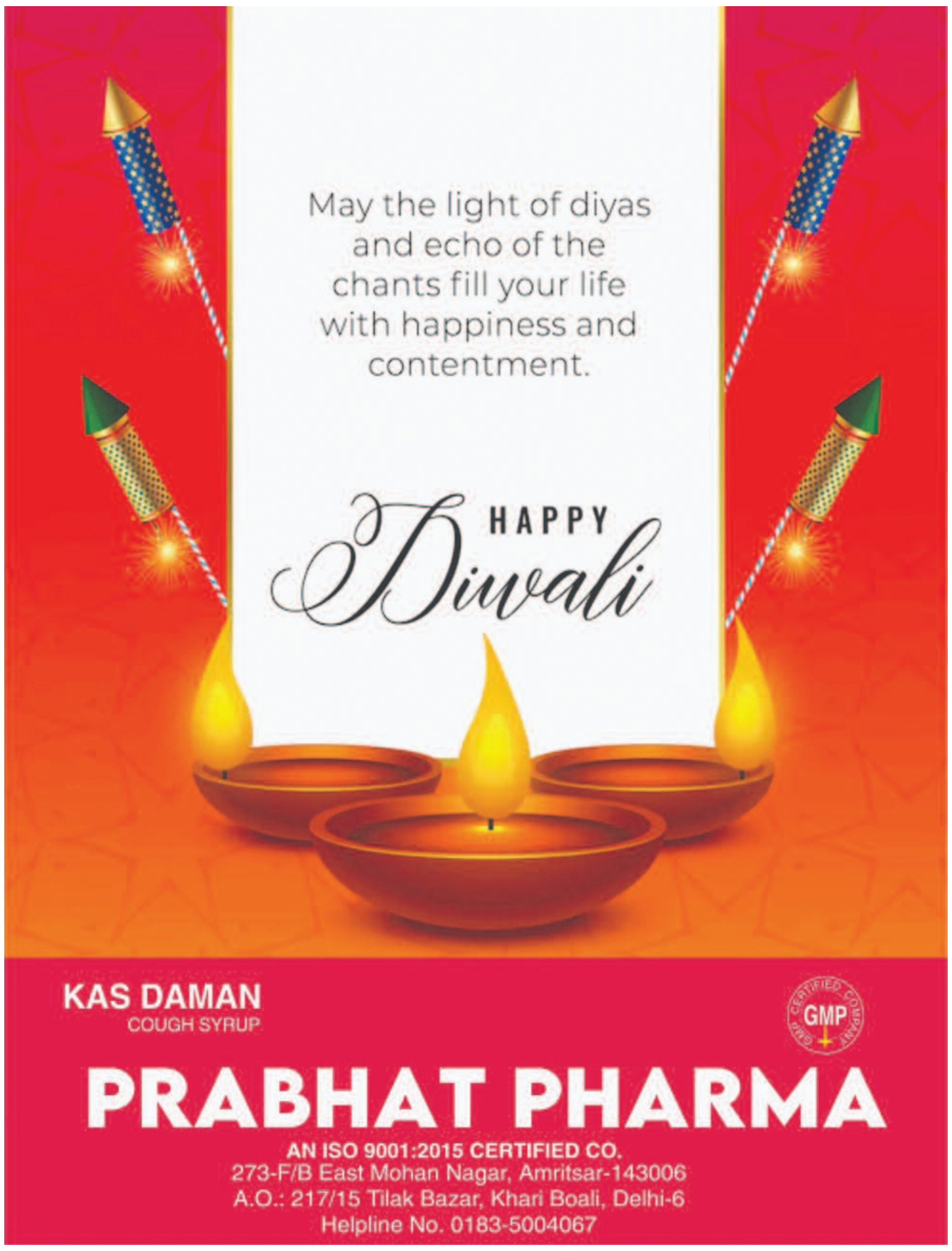

May the light of diyas and echo of the chants fill your life with happiness and contentment.
HAPPY
Diwali
KAS DAMAN
COUGH SYRUP
GMP
PRABHAT PHARMA
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED CO.
273-F/B East Mohan Nagar, Amritsar-143006
A.O.: 217/15 Tilak Bazar, Khari Boali, Delhi-6
Helpline No. 0183-5004067

चौदह वर्ष के वनवास को पूरा कर रामलला के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले दीपों के पर्व
शुभ दीपावली
की आपको और आपके समस्त परिवार को
हार्दिक शुभकामनाएं
Pradeep sharma pramod
Vrandavan Hospital pvt director
9999684288

चौदह वर्ष के वनवास को पूरा कर रामलला के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले दीपों के पर्व
दीपावली
गोवर्धन पूजा,
भैयादूज, गंगास्नान
व छठपूजा
की हार्दिक शुभकामनाऐं
डॉ प्रमोद कुमार
चेयरमैन रोशनी परमार्थ संस्थान एवं
नेशनल प्रेसिडेंट राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ
वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसोचैम उत्तर प्रदेश
संरक्षक दृष्टि सागर न्यूज़पेपर
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (खेल प्रकोष्ठ राष्ट्रीय लोक दल)

हमारा संकल्प, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', कांग्रेस-सपा का 'फूट डालो, हुकूमत करो': योगी आदित्यनाथ

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- अपना रहे हैं अंग्रेजों की नीति

- 31 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन
- 1 से 26 नवंबर तक हर विधानसभा में निकलेगी 'एकता पदयात्रा'
- बाबा साहब आंबेडकर को समर्पित 26 नवंबर को मनाया जाएगा संविधान दिवस

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' नीति को आज भी अपनाए हुए हैं। ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश की एकता और अखंडता कमजोर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके। लेकिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा और केंद्र व राज्य की सरकारें सरदार पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने के लिए कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष समाज को बांटने की राजनीति कर रहा है, तब भाजपा की जिम्मेदारी है कि एकता और अखंडता के संदेश को हर गांव और हर विधानसभा तक पहुंचाया जाए।

यूनिटी मार्च और राष्ट्रीय एकता दिवस का कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। इसके बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। इसमें आर्मी के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'नेता जी सुभाष चंद्र बोस अमर रहें' के जयघोष गूंजेंगे। हर दो किलोमीटर पर पड़ाव होगा, जहां समाज से संवाद कायम करते हुए एकता का संदेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि हर कार्यकर्ता को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बूथ स्तर से लेकर जिला पदाधिकारी तक सभी को सक्रिय होना होगा।

विकसित भारत और स्वदेशी उत्पादों पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1946-47 में जो अंग्रेज भारत की अखंडता को तोड़ना चाहते थे, आज वही भारत ब्रिटेन को पछाड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, यह हर भारतीय का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहारों पर स्वदेशी उत्पाद खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों, महिला समूहों और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम स्वदेशी खरीदते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल, संयोजक संजय राय, प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी, बीजेपी प्रदेश मंत्री शंकर लोधी समेत बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और संगठन से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाबा साहब को समर्पित संविधान दिवस और युवा पदयात्रा

सीएम योगी ने बताया कि 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाएगा, जो बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। इस दिन प्रत्येक जिले से पांच युवाओं को दिल्ली भेजा जाएगा, जहां से वे गुजरात में होने वाली पदयात्रा में शामिल होंगे। यह यात्रा 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलेगी, ताकि युवा देशभर में सरदार पटेल और बाबा साहब दोनों के योगदान से प्रेरणा ले सकें।

गुजरात कैबिनेट में फेरबदल: भूपेंद्र सरकार में 19 नए चेहरे शामिल; संघवी बने डिप्टी सीएम, जडेजा की पत्नी की नई पारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने मंत्रिपरिषद में 19 नए चेहरों को शामिल किया है। नवगठित मंत्रिमंडल में पिछली टीम के छह सदस्यों को बरकरार रखा, जिनमें हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इस फेरबदल के साथ मंत्रिपरिषद में अब मुख्यमंत्री सहित कुल सदस्यों की संख्या 17 से बढ़कर 26 हो गई है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में अधिकतम 27 मंत्री (सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत) हो सकते हैं।

जातीय समीकरण का रखा गया ध्यान

यह कैबिनेट पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले किया गया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सभी नए मंत्रियों और कैबिनेट मंत्री या स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कैबिनेट में जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा गया है। नए मंत्रिमंडल में आठ पिछड़ा वर्ग से तीन अनुसूचित जाति से, चार अनुसूचित जनजाति से संबंध रखने वाले विधायकों को मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम भूपेंद्र पटेल समेत आठ मंत्री पटेल समाज से हैं। पिछली कैबिनेट में गृह राज्य मंत्री रहे हर्ष सांघवी की पदोन्नति हुई है। उन्हें नए मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री बनाकर सरकार में दूसरे नंबर के पायदान पर पहुंचाया गया है। भूपेंद्र पटेल के पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में यह पहली बार है कि राज्य में किसी उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में यह पद नितिन पटेल के पास था, जिसे 2021 में समाप्त कर दिया गया था। नए मंत्री मंडल में सांघवी सहित छह विधायकों को मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। हालांकि गुरुवार को 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इनमें से छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए थे। भूपेंद्र पटेल मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल में सौराष्ट्र-कच्छ से 9 मंत्री बनाए गए हैं। मध्य गुजरात से 6 मंत्री है, उत्तर गुजरात से 5 मंत्री और अहमदाबाद से दर्शना वाघेला मंत्री बनी हैं। दक्षिण गुजरात से 4 विधायकों को मंत्री पद दिया गया है।

इन-इन मंत्रियों की भी हुई पदोन्नति

इन छह में से तीन, कनुभाई पटेल, रुशिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि सांघवी, प्रफुल पनशेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल हर्ष संघवी को पदोन्नत कर उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं पनशेरिया को स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। मंत्रिमंडल में रीवाबा जडेजा को भी शामिल किया गया है। उन्होंने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। उनके क्रिकेटर पति रवींद्र जडेजा और उनकी बेटी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। पार्टी ने जीतू वघानी, अर्जुन मोढवाडिया और मनीषा वकील को मंत्री के रूप में काम करने का अवसर दिया है। पोरबंदर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मोढवाडिया ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले वे गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं और मार्च 2024 में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए थे।

इन विधायकों को मिली मंत्रिपरिषद में जगह

कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और भावनगर से विधायक जीतू वाघाणी, अमरेली से विधायक और भाजपा के डिप्टी चीफ व्हिप कौशिक वेकारिया, स्वरूपजी ठाकोर, टीकाराम छंगा, जयराम गमित, जामनगर उत्तर विधायक रिवाबा जडेजा, पीसी बारांदा, दाहोद विधायक रमेश कटारा, अंकलेशअवर विधायक इश्वरसिहं पटेल, दीसा विधायक प्रवीण माली, बारसोड विधायक रमनभाई सोलंकी, पेटलाद विधायक कमलेश पटेल, महुधा विधायक संजय सिंह महिदा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है।

इन मंत्रियों की हुई छुट्टी

मुख्यमंत्री ने इस फेरबदल में 10 मंत्रियों को हटाया है, जिनमें उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, कृषि मंत्री राघवजी पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भानुबेन बाबरिया और वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलु बेरा जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। नई मंत्रिपरिषद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। नए मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं शामिल की गई हैं।

दिवाली से पहले दिल्ली-यूपी में मिलावटखोरों पर बड़ा प्रहार!

करोड़ों की नकली मिठाई जब्त, सेहत से खिलवाड़ भारी पड़ेगा

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को पश्चिमी दिल्ली के रघुबीर नगर इलाके में छापेमारी कर 2,000 से 2,500 किलोग्राम तक मिलावटी दूध से बनीं मिठाइयां जब्त कीं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के उत्पादन की सूचना मिलने के बाद की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''भारी मात्रा में मिलावटी दूध से बनी मिठाइयों के डिब्बे बरामद किए गए।

जब्त किए गए उत्पाद की आपूर्ति त्योहारों से पहले शहर की विभिन्न मिठाई की दुकानों में की जानी थी।'' अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई मिठाइयों के नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं ताकि मिलावट की प्रकृति और सीमा का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि जिस परिसर में मिठाइयां बनाई जा रही थीं उसे सील कर दिया गया है और जिम्मेदार लोगों की तलाश जारी है।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार ने दिवाली और छठ पूजा से पहले खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की है और राज्य भर में लगभग 4.76

करोड़ रुपये मूल्य के 3,394 क्विंटल से ज्यादा मिलावटी खाद्य उत्पाद जब्त किए हैं। यह कार्रवाई त्योहारी सीजन के दौरान जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे एक विशेष अभियान के तहत की गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने दिवाली और छठ पूजा से पहले खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की है और राज्य भर में लगभग 4.76 करोड़ रुपये मूल्य के 3,394 क्विंटल से अधिक मिलावटी खाद्य उत्पाद जब्त किए हैं। यह कार्रवाई त्योहारी सीजन के दौरान जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (ऋडअ) द्वारा चलाए जा रहे एक विशेष अभियान के तहत की गई है।

'दीपावली विशेष अभियान' नामक यह अभियान 8 अक्टूबर से शुरू हुआ और 17 अक्टूबर तक चलेगा। विभाग ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इस दौरान अधिकारियों ने 5,464 निरीक्षण और 2,448 छापे मारे हैं और परीक्षण के लिए 3,369 खाद्य नमूने एकत्र किए हैं।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त रोशन जैकब ने कहा कि यह अभियान खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने में बेहद प्रभावी रहा है। उन्होंने कहा, 'दिवाली और छठ के त्योहारी सीजन के दौरान जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

अयोध्या दीपोत्सव 2025: महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से होगी निगरानी

लता चौक, धर्म पथ, राम पथ और राम की पैड़ी पर लाइव रहेंगे 11 एआई कैमरे

अयोध्या। दीपोत्सव 2025 इस बार न सिर्फ भव्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा, बल्कि यह तकनीकी प्रबंधन का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहली बार दीपोत्सव में महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से इतने बड़े पैमाने पर निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 11 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरे तैनात किए जा रहे हैं, जो चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे। ये एआई कैमरे लता चौक, धर्म पथ, राम पथ और राम की पैड़ी पर लाइव रहेंगे, जिससे चारो तरफ से आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जाएगी।

कैमरे न केवल भीड़ का हेड काउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी करेंगे

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि इस बार दीपोत्सव में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने अभूतपूर्व कदम उठाया है। एआई कैमरे न केवल भीड़ का हेड काउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी कर सकेंगे। अगर किसी क्षेत्र में भीड़ अधिक होती है, तो तुरंत इन कैमरों के जरिए अफसरों तक अलर्ट भेजा जाएगा। जिसके जरिए तुरंत क्राउड मैनेजमेंट कर लिया

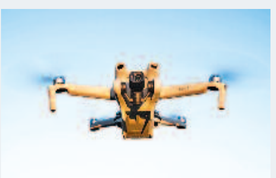

जाएगा।

पूरे आयोजन क्षेत्र को एआई कैमरों से कवर कर लिया जाएगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 11 एआई कैमरे एक्टिव मोड में रहेंगे। मेला क्षेत्र में इन कैमरों की टेस्टिंग हो गई है। पूरे आयोजन क्षेत्र को 11 एआई कैमरों से कवर कर लिया जाएगा। दीपोत्सव के दौरान इन कैमरों के माध्यम से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी।

तकनीकी सुरक्षा, अनुशासन और सुविधा तीनों सुनिश्चित करेंगे

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में इस बार महाकुंभ की तर्ज पर एआई क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जा रहा है। इससे न सिर्फ भीड़ का वैज्ञानिक विश्लेषण होगा, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी की जा सकेगी। कैमरों से प्राप्त आंकड़े प्रशासन के पास लाइव अपडेट के रूप में पहुंचेंगे। यह तकनीक सुरक्षा, अनुशासन और सुविधा तीनों सुनिश्चित करेगा।

तेजस्वी ही होंगे महागठबंधन के सीएम फेस, कांग्रेस ने लगाई मुहर; सीट बंटवारे पर फंसा पेंच

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नजदीक आते ही, कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है, लेकिन गठबंधन भाजपा-जद(यू) गठबंधन के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, 'तेजस्वी यादव महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। सीटों का बंटवारा हो रहा है और जल्द ही इसे अंतिम रूप दे

दिया जाएगा।'

अखिलेश सिंह के साथ, कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने भी तेजस्वी यादव को विपक्षी गठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने का समर्थन किया। अनवर ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा करने में कोई बुराई नहीं है,' और उन्होंने महागठबंधन और एनडीए दोनों से अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों को तुरंत स्पष्ट करने का आग्रह किया। विपक्ष ने तेजस्वी यादव पर सहमति जताई है, वहीं एनडीए ने दोहराया है कि बिहार चुनाव में मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही उसका चेहरा बने रहेंगे।

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की पुष्टि के बावजूद, गठबंधन को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने गुरुवार देर रात 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, लेकिन सहयोगियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। अनवर ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी की नाराजगी को स्वीकार किया, जो कथित तौर पर प्रस्तावित सीट बंटवारे के फॉर्मूले से नाराज थे। अनवर ने कहा, 'वह नाराज हैं। मुझे लगता है कि हमसे भी गलती हुई। हमारे पास पर्याप्त समय था, और चीजें पहले ही तय हो जानी चाहिए थीं।'

पंजाब के आईपीएस हरचरण सिंह भुल्लर न्यायिक हिरासत में, कहा- मुझे फंसाया जा रहा है

दिल्ली। केंद्रीय जाँच ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किए गए पंजाब के वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर को शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित सीबीआई अदालत ने 31 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक पुलिस मामले को 'निपटाने' और एक व्यापारी के हितों की रक्षा के लिए एक निजी बिचौलिए के माध्यम से कथित तौर पर 8 लाख रुपये की रिश्वत माँगने के आरोप में पकड़े जाने के बाद उन्हें सीबीआई ने हिरासत में लिया था। उन्हें सीबीआई कार्यालय से अदालत ले जाया गया, उनके वकील एचएस धनोआ ने आज

कहा, 'डीआईजी एचएस भुल्लर को 31 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।'

भुल्लर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उनके खिलाफ पूरी तरह से गलत आरोप लगाए गए थे। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें फंसाया जा रहा है, उन्होंने कहा, 'बिल्कुल।'

रक्षा निर्यात में भारत की ऐतिहासिक उड़ान: 25,000 करोड़ का रिकॉर्ड, 2029 तक 50,000 करोड़ छूने का लक्ष्य

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। पर साझा की गई एक पोस्ट में, फ्टड इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता में इसके बढ़ते योगदान के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की सराहना की, क्योंकि उन्होंने तेजस एमके 1 ए की पहली उड़ान में भाग लिया और एचएएल के नासिक परिसर में नई विमान उत्पादन लाइनों का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नासिक स्थित उनके संयंत्र का पहला दौरा था और उन्होंने वहाँ कार्यरत लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने

कहा, 'एचएएल के नासिक परिसर का दौरा करने का यह मेरा पहला अवसर है और मैं यहाँ कार्यरत सभी लोगों के चेहरों पर उत्साह और गर्व देख सकता हूँ। मैं एलसीए एमके1ए और एसयू-30 विमान उड़ाने वाले पायलटों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।'

सिंह ने तेजस एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी-40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन किया। सिंह ने आगे कहा, 'आज एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी-40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन है। इस अवसर पर सभी को बधाई। नासिक की भूमि ऐतिहासिक है - भगवान शिव यहाँ त्र्यंबकेश्वर के रूप में विराजमान हैं। यह भूमि न केवल आस्था और भक्ति की है, बल्कि अब आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गई है। एचएएल यहाँ राष्ट्र की रक्षा शक्ति का प्रतीक है।' उन्होंने आगे कहा, 'आज जब मैंने रव-30, ट'1अ और ल्ठ्ठ-40 की उड़ानें देखीं, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। यह आत्मनिर्भरता का एक सच्चा उदाहरण है।'

नासिक सुविधा के परिवर्तन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, 'कभी यह स्थान मिग विमानों के उत्पादन के लिए जाना जाता था, लेकिन आज यह सुखोई विमानों के लिए एक आधुनिक उत्पादन केंद्र बन गया है। एचएएल ने भारत के लिए एक मजबूत स्तंभ की भूमिका निभाई है।' रक्षा मंत्री ने नासिक की आध्यात्मिक विरासत से प्रतीकात्मक संबंध स्थापित किया। सिंह ने कहा कि यह शहर भगवान शिव की आत्मा का प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'इस परिसर में भगवान शिव की आत्मा के दर्शन होते हैं - एक ओर, यह रक्षा निर्माण का प्रतिनिधित्व करती है, और दूसरी ओर, यह शत्रुओं का नाश करने की शक्ति का प्रतीक है।'

सेहत/स्वास्थ्य

सांसों की दिक्कत होगी दूर! दिवाली से पहले अस्थमा के पेशेंट फेफड़ों की सफाई के लिए पिएं ये खास ड्रिंक्स

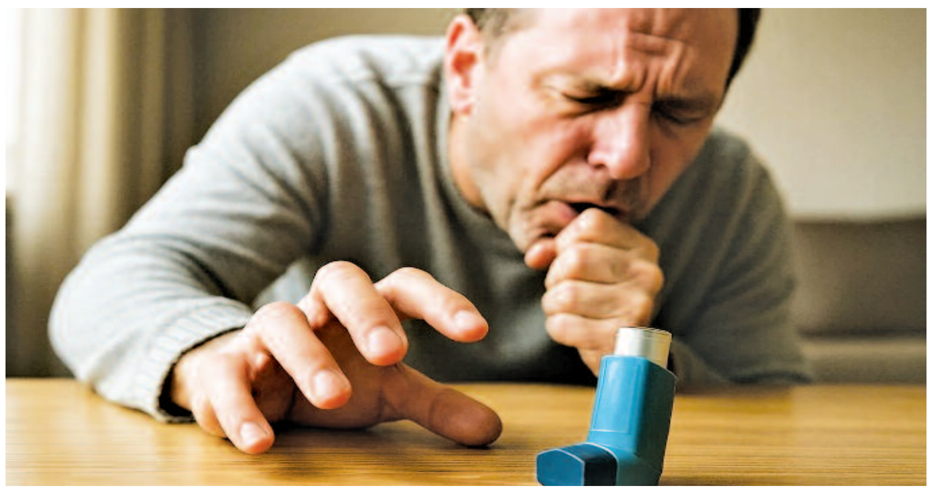

दिवाली पर बढ़ते प्रदूषण से अस्थमा मरीजों को सांस फूलने और एलर्जी जैसी समस्याओं से बचने के लिए अभी से तैयारी शुरू करनी चाहिए। मुलेठी चाय, अदरक चाय और ग्रीन टी जैसे प्राकृतिक ड्रिंक्स फेफड़ों को साफ कर सांस लेने में मदद करते हैं, जिससे त्योहार का आनंद ले सकें। ये उपाय अस्थमा प्रबंधन और प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

दिवाली रोशनी और उत्साह का पर्व है। इस दिन आहट के साथ ही गली-मोहल्ले में पटाखे और दीया जलाने शुरू हो जाते हैं। दिवाली पर पटाखे जलाएं जाते हैं। ऐसे में कुछ लोग को तकलीफ होने लगती है।

अस्थमा के मरीजों को दिक्कत होती है, ऐसे में उन्हें प्रादूषण से सांस फूलने की समस्या, एलर्जी, नाक बहना, छींक, खांसी के समस्या से जूझना पड़ता है। अगर आप अपने त्योहार का मजा खराब नहीं करना चाहते हैं, तो आप पहले से ही इसके लिए कुछ प्रीकॉशन लेना शुरू कर दें। आप इन घरेलू और आयुर्वेदिक काढ़े को रुटीन में शामिल करें। यह आपके लंग्स को क्लीन कर सांस लेने में सहायता करेंगे। अभी से इन ड्रिंक्स का सेवन करना शुरू कर दें।

मुलेठी टी

आयुर्वेद में मुलेठी के कई फायदे बताएं है। मुलेठी को अंग्रेजी में लिकोराइस कहा जाता है। यह गले की खराश और कंजेशन को दूर करने में सहायक होता है।

इसमें नेचुरल एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाएं जाते हैं और सांस नली में हो रही सूजन को कम करती है। यह गले में बन रहे म्यूकस को भी बाहर निकालता है। इसलिए अभी से मुलेठी टी पीना शुरू कर दें। यह कफ और खराश को भी कम करता है।

जिंजर टी

अदरक में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाएं जाते हैं। यह सांस जुड़ी तकलीफों को दूर करते हैं। जिंजर टी पीने से सांस नली की सूजन को कम करने में मदद करता है, जिससे सांस लेने में भी आराम मिलता है। पलूशन के दौरान जिन लोगों की सांस फूलने लगती है, उन्हें जिंजर टी और थोड़ा सा शहद डालकर पिएं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स के भरपूर मात्रा में गुण पाएं जाते है। इसमें एंटीहिस्टामाइन और एपिगलकैटेचिन गैलेट सूजन को कम करने में मदद करता है और यह अस्थमा अटैक से बचाता है। ग्रीन टी में पाए जाने वाला थियोफाइलिन फेफड़ों की मसल्स को रिलैक्स करने में मदद करता है। रोजाना आप एक या दो कप ग्रीन टी पिएं।

ब्लैक कॉफी

खांसी से लेकर सांस लेने की समस्या से बचने के लिए आप स्ट्रांग ब्लैक कॉफी पी सकते हैं। यह आपको राहत देने में मदद करेंगी। यह लंग्स के एयरवेज को खोलने में मदद करती है। जिससे बाद सांस लेना आसान हो जाता है। अस्थमा के लक्षण दिख रहे और इनहेलर पास नहीं है, तो ब्लैक कॉफी से थोड़ी राहत देगी।

हल्दी वाला दूध

हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स के प्रॉपर्टी इम्यून सिस्टम को बढ़ाते है। हल्दी वाला दूध अस्थमा को मैनेज करने में मदद करता है। हालांकि, कुछ लोगों को डेयरी प्रोडक्ट्स अस्थमा में समास्या उत्पन्न करते है, तो ऐसे में आप हल्दी वाला दूध न पिएं।

पर्यटन

अयोध्या से दक्षिण तक! इस दिवाली करें देशभर के प्रसिद्ध राम मंदिरों के दर्शन

देशभर दीवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रभु श्रीराम विजयदशमी पर रावण का बाद करने के बाद अमावस्या के दिन अयोध्या पहुंचे थे। जिसे खुशी में अयोध्यावासी ने भगवान राम के स्वागात में हर जगह घी के दिया जलाकर पूरी अयोध्या नगरी को जगमग कर दिया था।

हिंदू धर्म में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि रावण का वध करके, 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम अयोध्या लौटे, जिसके बाद प्रभु की स्वागात के लिए अयोध्यावासियो ने नगरी को दुल्हन की तरह सजा दिया। श्री राम के आयोध्या पाधरने पर दीए जले, आतिशबाजी हुई। दिवाली पर्व पर माता लक्ष्मी-गणेश की पूजा की जाती है। दिवाली पर प्रभु राम की पूजा भी की जाती है। कई लोग भगवान राम के मंदिर में जाकर दर्शन करते हैं। अगर आप भी अपने त्योहार को खास बनाना चाहते हैं, तो दिवाली के मौके पर देश के प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में बताएंगे।

अयोध्या का राम मंदिर

अयोध्या की दिवाली सबसे लोकप्रिय है। इस मौके पर अयोध्या का राम मंदिर के दर्शन करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या है। दिवाली के खास मौके पर यहां पर भक्तों की लाखों भीड़ देखने को मिलती है। इसलिए आप अपनी दिवाली को खास बनाने के लिए श्री राम जन्मभूमि जरुर जाएं।

कलाराम मंदिर, नासिक

महाराष्ट्र के नासिक पंचवटी में यह मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ वनवास पर गए थे, तब दस वर्ष के बाद वो पंचवटी में गोदावरी किनारे रहने आए थे। इस मंदिर निर्माण की कही काफी दिलचस्प है। कहा जाता हैकि सरदार रंगारू ओधेकर ने सपना देखा कि प्रभु श्री राम की एक काली मूर्ति गोदावरी नदी में है। इसके बाद मूर्ति को निकाला गया, इसलिए इस मंदिर का नाम कलाराम रखा गया है। दिवाली के मौके पर आप इस मंदिर का दर्शन जरुर करें।

राम राजा मंदिर, मध्य प्रदेश

यह भारत का एक ऐसा मंदिर है जहां पर श्री राम भगवान के रुप में नहीं, एक राजा के रुप में पूजे जाते है। इस मंदिर के पीछे एक प्रचलित कहानी है कि यहां की मूर्ति को कहीं और रखा जाना था लेकिन एक बार मूर्ति जहां रख गई, वहां से दोबारा हिलाने की हिम्मत नहीं हुई। बता दें कि, यह मंदिर एक भव्य किले के रुप में बना है। यहां हर दिन गार्ड ऑफ ऑनर किया जाता है। इतना ही नहीं, राजा राम को शस्त्र की सलामी दी जाती है। दिवाली के अवसर पर जरुर इस मंदिर में जाएं।

रामास्वामी मंदिर, तमिलनाडु

दक्षिण भारत में रामस्वामी मंदिर बहुत ही सुंदर बना हुआ। इसे दक्षिण भारत की अयोध्या भी कहा जाता है। यह मंदिर तमिलनाडु में स्थित है। इस मंदिर में श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण जी की मूर्ति के साथ ही भरत और शत्रुघ्न जी की मूर्तियां भी विराजित है। अगर आप दक्षिण भारत की दिवाली देखना चाहते हैं, तो इस मंदिर में जरुर जाएं।

त्रिप्रायर मंदिर, केरला

केरल का यह मंदिर सबसे लोकप्रिय है। इस मंदिर के पीछे की कहानी है कि प्रभु श्री राम की मूर्ति को स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने स्थापित किया था। त्रिप्रायर मंदिर में लोग दूर-दूर से लाखों भक्त दर्शन करने आते हैं। धार्मिक मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों को बुरी आत्मा और नजर दोष से मुक्ति मिल जाती है। आप भी दिवाली पर्व के दौरान इस मंदिर के दर्शन करने जा सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

दिवाली से पहले अपने चेहरे में निखार लाएं, अब फोटोज के लिए फिल्टर की जरुर नहीं होगी, नेचुरल ग्लो ही कर देगा कमाल

दिवाली पर परफेक्ट तैयार होने के लिए चेहरे का ग्लो भी होना काफी जरुरी होता है। इस दिवाली आप भी बनना चाहते हैं सेल्फी क्वीन, तो अभी से त्वचा को अंदर से पोषण और रिपेयर करें। इस लेख में हम आपको 4 आसान आदतें बताने जा रहे है, जिसको आप अजमां कर अपनी त्वचा को ग्लोइंग बना सकते हैं।

दिवाली का त्योहार के लिए अब ज्यादा दिन बचें नहीं है। ऐसे में अपनी त्वचा का ख्याल रखना भी बेहद जरुरी है। जब आप दिवाली पर तैयार होकर सेल्फी लेना चाहते है, तो इसके लिए चेहरे पर ताजदी और निखार होना भी काफी जरुरी है, जिससे फोटोज में चमक आए। इस दिवाली आप भी फोटो परफेक्ट दिखना चाहती हैं, तो अभी से अपनी त्वचा को रिपेयर करना शुरू कर दें। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि स्किन केयर टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप त्वचा दिखेंगी खिली-खिली।

जल्दी सोएं

यदि आप अपनी त्वचा को ग्लो बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए जल्दी सोना भी जरुरी है। रात को 11 बजे तक सोना काफी जरुरी है। ऐसा करने से चेहरे की झुर्रियां और पिंपल्स दूर होते हैं। आपकी त्वचा की अंदर से रिपेयर तब शुरू होता है जब आप गहरी नींद में होते हैं। बता दें कि, रात के 11 बजे से सुबह 4 बजे के बीच शरीर 'मेलाटोनिन' हार्मोन रिलीज करता है और स्किन बैरियर को रिपेयर करता है। अगर आप देर रात तक जागते हैं तो स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल बढ़ता है, जिससे आपकी त्वचा डल और बेजान दिखने लगती है।

रोजना एक्सरसाइज करना जरुरी

नियमित रुप से रेगुलर एक्सरसाइज करना काफी जरुरी है। निखार को बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करना अच्छा होता है। आप रोजाना 20 से 30 मिनट तक तेज वॉक, हल्के योगासन या घर पर ही वर्कआउट करें। वर्कआउट करने ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है। जिससे आपके स्किन सेल में ऑक्सीजन और पोषक तत्व ज्यादा मात्रा में पहुंचते हैं, यह आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाता है। जब आपके पसीना निकालता है तो पोर्स भी साफ हो जाते है।

सोने से पहले डिजिटल डिटॉक्स करें

सोने से पहले आपकी त्वचा को भी शांति चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आप स्क्रीन से दूरी बना सकते हैं। सोने से पहले कम से कम 30 मिनट पहले अपने फोन, टीवी, लैपटॉप जैसे सभी डिजिटल उपकरण को दूर कर सकते हैं। इन स्क्रीन्स से निकलने वाली नीली रोशनी 'मेलाटोनिन' को रोक देती है, जिससे आपकी नींद खराब हो जाती है। अच्छी नींद न आने पर आंखों के नीचे काले घेरे और तनाव दिखाई देने लगता है।

डीप ब्रीदिंग और मेडिटेशन को अपनाएं

स्ट्रेस के कारण आपकी सुंदरता भी गायब हो जाती है। यह पिंपल्स और डलनेस को बढ़ाता है।

इससे बचने के लिए रोजाना कुछ मिनटों के लिए डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज और मेडिटेशन करना जरुरी है। ऐसा करने से आपका तनाव दूर होगा और मन शांत भी रहेगा। आपकी स्किन भी ग्लोइंग रहेगी।

घरेलू नुस्खे

बचे हुए खाने को कभी न करें बर्बाद! अपनाएं ये स्मार्ट किचन हैक्स

बचे हुए खाने को बर्बाद करने के बजाय, उसे प्रभावी ढंग से उपयोग में लाएं। अपनी पसंदीदा रेसिपी अधिक मात्रा में बनाकर फ्रिज में स्टोर करें या बचे हुए भोजन से फ्राइड राइस, आमलेट जैसी नई डिशेज तैयार करें। यह अन्न की बबार्दी रोकने के साथ-साथ आपके समय और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

ताजा खाना खाने से सेहत भी बढ़िया होती है। लेकिन घर में हर बार नाप-तौल के खाना बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए बचे हुए खाने को कभी भी बर्बाद न करें, इससे अच्छा है कि लेफ्टओवर का फूड यूज कर सकते हैं। जब आपका खाना बनाने का मन न करें तो इन आसान तरीकों से लेफ्टओवर फूड को का इस्तेमाल कर सकते हैं।

लेफ्टओवर की करें प्लानिंग

कई बार होता है कि बाहर किसी काम से हमें कहीं जाना होता है, तो फिर घर लौटकर खाना बनाने में दिक्कत होती है। ऐसे में आप अपनी मनपसंद रेसिपी ज्यादा मात्रा में तैयार करके रख लें। फिर इसे फ्रिज में स्टोर करके रख दें, अब आपको खाना पकाने की कोई चिंता नहीं होगी। आप चाहे तो चीला या डोसा के लिए ज्यादा बैटर बनाकर स्टोर करके रख सकते हैं या फिर बिना सिकी हुई पैटी या उबले आलू।

ये चीजें लगती हैं ज्यादा टेस्टी

रात या दोपहर का खाना बच ही जाता है, ऐसे में आप अगली मील की प्लानिंग में बचे हुए खाने का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ चीजें दोबारा गर्म करके खाने और पीने में ज्यादा टेस्टी लगती है, जैसे कि सूप, दाल, करी, रोस्ट की गई सब्जियां।

पारदर्शी कंटेनर में स्टोर करें

अक्सर होता है कि हम सभी खाना फ्रिज में रखकर भूल जाते है। इसलिए हमेशा कांच के पारदर्शी लंच बॉक्स या मैसन जार में खाना स्टोर करें। यह आपको फ्रिज खोलते ही नजर आने लगेंगे।

बचे हुए खाना से नई रेसिपी बनाएं

अगर आपका खाना बच जाता है, तो आप अगले मील के लिए इसे खा सकते हैं। कुछ रेसिपी बनाकर बचा हुआ खाना बना सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, बची हुई सब्जियों को ऑमलेट या फिर चीले में इस्तेमाल करें। सलाद में उबले हुए काबुली चना डाल दें। बचे हुए चावल से फ्राइड राइस या फिर एग राइस बना सकते हैं। इसके अलावा, आप लेफ्टओवर फूड को नए रुप में सर्व करके डिशेज बना सकते हैं। इस तरह से आप बचा हुआ खाने को खत्म कर सकते हैं।

जयंत चौधरी के निर्देश पर गन्ना किसानों का पचीस करोड़ का भुगतान किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। राष्ट्रीय लोकदल जिला गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी व भुललन चौधरी, देवेंद्र चौधरी चेयरपर्सन पति, बिट्टू खंजरपुर,का प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी से मिलकर गन्ना किसानों के भगतान की मांग की थी। और जयंत चौधरी का सन्देश भी बताया। इसी क्रम में आज सोलह अक्टूबर को पचीस करोड़ का गन्ना बकाया का चेक जिला गन्ना अधिकारी और राष्ट्रीय लोकदल के प्रतिनिधि मंडल रामपाल चौधरी को सौंपा।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के साथ सर्व जिला गन्ना अधिकारी प्रदीप कुमार तेवतिया, वेदपाल मलिक, राहुल त्यागी, दीपक राणा, राजन चौधरी उपस्थित रहे। रामपाल चौधरी ने सभी आभार प्रकट किया।

स्मार्ट मीटर लगाने का कालोनीवासियों ने किया विरोध

मोदीनगर। सीकरी रोड पर बिजली विभाग की टीम पुलिस बल साथ में लेकर स्मार्ट मीटर लगाने पहुँची जबरदस्ती लोगों के घर में मीटर लगाने शुरू कर दिए। स्थानीय लोगों ने विरोध किया तो पुलिस उन्हें धमकाने लगी डॉ बबली गुर्जर व राहुल गुर्जर मौके पर अपनी टीम के साथ पहुंचे तो लोगों ने बताया कि 4 दिन पहले जो स्मार्ट मीटर लगाए गए थे उनमें कई गुना रीडिंग बढ़ के आ रही है स्मार्ट मीटर लगाने का स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध किया विरोध बढ़ता देख मीटर लगाने वाली टीम व पुलिस को वहां से वापस भेज दिया गया डॉ॰ बबली गुर्जर राहुल गुर्जर ने संयुक्त रूप से कहा कि स्मार्ट मीटर लगाना लोगों के साथ सरासर अन्याय है।

ये किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । मौके पर मुख्य रूप से डॉ बबली गुर्जर राहुल प्रधान विनोद थामिया। सोनु प्रधान मेहराम चंदेला अमित प्रधान जयप्रकाश शर्मा पप्पन शर्मा राज वर्मा परसराम गुर्जर इस्वर सिंह राजेंद्र सिंह राहुल कुमार नवीन जैन आदी रहे।

छात्र को जिलाधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक ने किया 51000 से सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के कक्षा 10 के छात्र कृष्ण वर्मा को गाजियाबाद में नंदग्राम स्थित डीआईओएस ऑफिस में डी आई ओ एस के द्वारा 51 हजार रुपए के चेक देकर सम्मानित किया गया। सेवा पखवाड़ा 2025 पूरे देश में दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक विकसित भारत की व्यापक थीम के साथ मनाया गया यह थीम भारत को वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में रूपांतरित करने की परिकल्पना करती है जो देश की बहु आयामी प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, संस्कृती, समृद्धि, सुशासन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा सेवा, खेल, आधारभूत संरचना ग्रामीण विकास, कृषि, डिजिटल परिवर्तन,नवाचार और उद्यमिता में तेज प्रमुख प्रगति को प्रमुखता दी गई। इसी के साथ यह महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण और वैश्विक नेतृत्व एवं कूटनीति में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करता है ।

इस विशेष पखवाड़े मैं जिले के समस्त विद्यालयों को उत्साह एवं व्यापक जन सहभागिता के साथ एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज गाजियाबाद में किया गया' जिसमें गाजियाबाद जिले के लगभग सभी विद्यालयों ने अपने चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराया प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कला विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की परिकल्पना और प्रधानमंत्री तथा ' मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित करना है ।

प्रतियोगिता में डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के कक्षा 10 के छात्र कृष्ण वर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया जिसमें उन्हें पुरस्कार स्वरूप 51 हजार रुपए की धनराशि का चेक प्राप्त हुआ। छात्र की उपलब्धि पर पूरा विद्यालय गौरवान्वित है। आज डॉक्टर के और मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर श्री सतीश चंद्र अग्रवाल जी ने भी छात्र कृष्ण वर्मा को स्मृति चित्र देकर सम्मानित किया एवं सभी विद्यार्थियों को छात्र की उपलब्धि से प्रेरणा लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि आप सभी छात्र सच्चे मन से सही दिशा में रोज थोड़ा-थोड़ा परिश्रम भी करें तो भी आप अपनी मंजिल को आसानी से पा सकते हैं लेकिन बड़ी सफलता के लिए सही दिशा व कठोर अनुशासन मे रहकर की गई कड़ी मेहनत से व्यक्ति जैसी चाहे वैसी सफलता हासिल कर सकता है सफलता कोई अमीरी गरीबी या जाति पाति का भेदभाव नहीं करती है ' बस जो भी छात्र इन नियमों का पालन करता है सफलता उसकी ओर खिंची चली जाती है। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। उन्होंने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का भी धन्यवाद दिया जिन्होंने छात्र को ऐसी कुशल शिक्षा प्रदान की जिससे छात्र कृष्ण वर्मा पूरे जनपद में प्रथम स्थान हासिल कर सका। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राजकुमार सिंह श्री टीपी सिंह डॉक्टर नरेश प्रजापति,रेखा रानी,गौरव त्यागी, श्री राजीव जांगिड़ वषार्रानी हेड मास्टर धर्मवीर सिंह, तेजवीर, राहुल त्यागी, ज्योति तरुण कौशिक, रानी, सुनीतागुप्ता आदि शिक्षकों का सहयोग रहा है।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

मोदीनगर । गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी कॉलेज में वाणिज्य विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग की ओर से महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा के कुशल निर्देशन में डॉ. सारिका गर्ग ने एक संगोष्ठी का आयोजन किया ' आज के प्रमुख वक्ता ईएस एस इंस्टीट्यूट के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ नवीन गोस्वामी रहें ' संगोष्ठी के प्रथम चरण में सरस्वती जी के सम्मुख दीप जलाकर संगोष्ठी का आरम्भ किया ' मंच का कुशल संचालन ग्रह विभाग की विभागाध्यक्ष ऐश्वर्या बहुगुणा द्वारा किया गया ' संगीत विभागाध्यक्ष डॉ आकांक्षा सारस्वत ने अपनी मधुर स्वर द्वारा सरस्वती वंदना की साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश अनुसार कांशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद में अंतर महाविद्यालय स्तर की आयोजित होने वाली पोस्टर प्रतियोगिता में में डॉ गीता त्यागी के निर्देशन में निशा बीए तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय गाजियाबाद से पुरस्कार के रूप में 21000 रुपए की धनराशि प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया जिसके लिए निशा को पुरस्कृत किया गया ' संगोष्ठी में डॉ नवीन गोस्वामी ने छात्राओं को अपने भविष्य में किस प्रकार करियर गोल सेट करना है तथा किस प्रकार उसे सफलता पूर्वक अचीव करना है ! साथ ही आपके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ ' संगोष्ठी में महाविद्यालय की लगभग 250 छात्राओं की प्रतिभागिता रही।

दिवाली पर बच्चों की मुस्कान बनी असली रोशनी

उत्थान फाउंडेशन ने मूक-बधिर विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया विशेष कार्यक्रम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। इस दिवाली सामाजिक संस्था उत्थान फाउंडेशन ने अपनी आइए इस दिवाली खुशियाँ बाँटें पहल के तहत मूक-बधिर विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के जीवन में खुशियाँ, आत्मविश्वास और उत्साह भरना था। कार्यक्रम का आयोजन वनस्थली बालिका इंटर कॉलेज, गंगोल रोड (हवाई पट्टी रोड), परतापुर, मेरठ पर किया गया। कॉलेज की प्रबंधन निदेशक विशाखा ने संस्था के सदस्यो का स्वागत करते हुए उन्हें विद्यार्थियों से मिलवाया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया–उन्होंने राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और रंगीन नृत्य के माध्यम से सभी को मोहित किया। उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दीपावली के अवसर पर मूक-बधिर विद्यार्थियों के साथ त्यौहार मनाना व उनके लिए उपयोगी वस्तुओं और उपहारों का वितरण करना था। उन्होंने कहा, बच्चों की मुस्कान और उनके उत्साह को देखकर हमें यह महसूस हुआ कि हमारा छोटा सा योगदान उनके जीवन में कितनी बड़ी खुशी ला सकता है। उन्होंने प्रस्तुतियों में अपनी मेहनत और प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में उत्थान फाउंडेशन के सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें ट्रस्टी व वरिष्ठ सदस्य सुनीत जैन, अंकुरम पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या खुशबू बंसल, सोनम बंसल, योगेश सिंह, रितु अग्रवाल, दीपाली सिंगल, पूनम, कविता गुप्ता, ज्योति रानी, मयूराक्षी जैन, अनुपम महेश्वरी, परविंदर कौर, योगेश गुप्ता शामिल थे। सदस्यों ने बच्चों को उपहार, स्कूल बैग, स्टेशनरी आइटम, खिलोने, कैप्स, मोजे, खाद्य पैकेट और सजावट सामग्री वितरित किए। बच्चों ने खुशी-खुशी अपने उपहार प्राप्त किए और पूरे कार्यक्रम में उत्साह और आनंद का माहौल बना रहा। डॉ. सोनिका जैन ने आगे बताया कि विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियाँ और नृत्य ने यह संदेश दिया कि दिवाली का असली उजाला तब है, जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाएँ। उन्होंने सभी सदस्यों, शिक्षकों और सहयोगियों का धन्यवाद किया, जिन्होंने बच्चों के लिए यह अवसर संभव बनाया। कार्यक्रम में बच्चों की मुस्कान और उत्साह ने यह साबित कर दिया कि ऐसे आयोजनों से न केवल समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना बढ़ती है, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास और रचनात्मकता भी बढ़ती है।

उत्थान फाउंडेशन की टीम ने कहा,हम उठते हैं, जब हम दूसरों को उठाते हैं। इस दिवाली पर बच्चों के जीवन में रोशनी और खुशियाँ बाँटना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था।

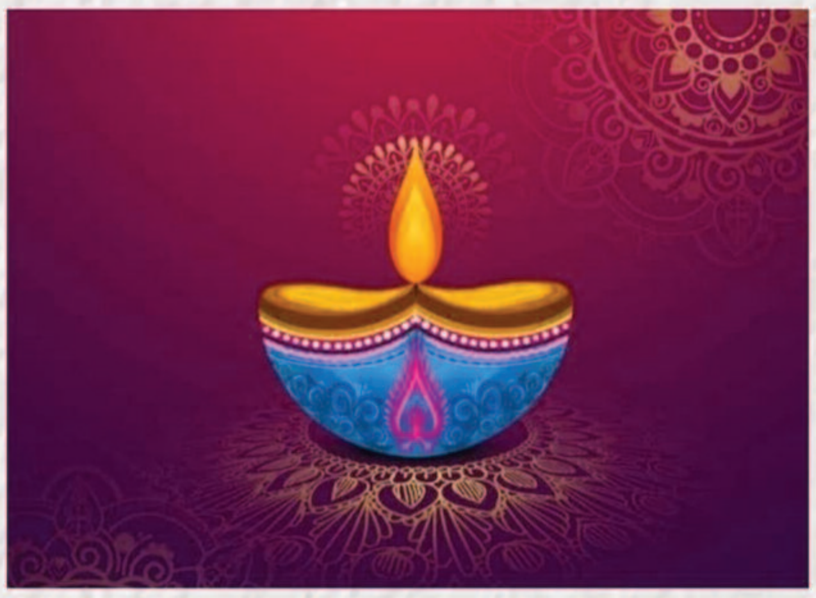

दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनाएं।
डा मुकेश गर्ग
Fe Mart
(House of Paints & Electricals)
Fe Mart Pvt Ltd
(Wire Mfrs & Real Estate Developers)
MODINAGAR 201204
#9319696557 email mgarg206@gmail.com